■ ज्येष्ठ शुक्ल - 15 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 11 ■ अंक - 323 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 22-06-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 असम को 'बाढ़ मुक्त राज्य' बनाने का वादा कर विश्वासघात किया गया : खरगे

6 सनातन हिंदू संस्कृति विश्व शांति के लिए आवश्यक

7 'कल्कि 2898 एडी' भविष्य पर आधारित अद्भुत फिल्म है : अमिताभ

फर्स्ट टेक

रूसी सेना में भर्ती अबतक 10 लोगों को स्वदेश लाया गया

नई दिल्ली/एजेन्सी। रूसी सेना में भर्ती हुए भारतीय नागरिकों में से अब तक 10 लोगों को रिहा कराके स्वदेश लाया जा चुका है और बाकी लोगों की रिहाई के लिए सरकार रूसी सरकार के संपर्क में है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को यहां नियमित ब्रीफिंग में एक सवाल पर कहा, हमने रूसी सेना द्वारा भर्ती किए गए भारतीयों की शीघ्र रिहाई और स्वदेश वापसी के लिए रूसी पक्ष के साथ मामला उठाया है। हमने भारतीय युवाओं की भर्ती पर प्रभावी रोक लगाने की भी मांग की है। प्रवक्ता ने कहा, हमारे प्रयासों के परिणामस्वरूप, अब तक 10 भारतीय नागरिकों को रिहा कर दिया गया है और वापस लाया गया है। हम इस मुद्दे पर नई दिल्ली और मॉस्को दोनों जगहों पर रूसी पक्ष के साथ संपर्क में बने हुए हैं।

उत्तर और दक्षिण कोरिया के बीच बढ़ा सैन्य तनाव

सोल/एजेन्सी। उत्तर और दक्षिण कोरिया के बीच लगातार तनाव बढ़ता जा रहा है। एक महीने में तीसरी बार उत्तर कोरिया के सैनिकों ने दक्षिण कोरिया की सीमा में घुसने का प्रयास किया है और दूसरी ओर से गोलियां चलने पर उत्तर कोरिया की सेना बाद में पीछे हट गयी। दक्षिण और उत्तर कोरिया को अलग करने वाले असैन्यीकृत क्षेत्र (डीएमजेड) में गश्त कर रहे। उत्तर कोरियाई सैनिकों के सीमा पार कर दक्षिण कोरिया में घुसने पर दक्षिण कोरिया की सेना ने चेतावनी के तौर पर गोलियां बरसाई। समाचार एजेंसी योनहाप ने शुक्रवार को दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ (जेसीएस) के हवाले से यह जानकारी दी।

तेलंगाना में कांग्रेस सरकार दो लाख रुपये के कृषि ऋण माफ करेगी

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को कहा कि किसानों के लिए दो लाख रुपये की कर्ज माफी जल्द ही लागू की जाएगी। राज्य मंत्रिमंडल की बैठक के बाद संवाददाताओं से रेड्डी ने कहा कि 12 दिसंबर, 2018 से नौ दिसंबर, 2023 के बीच जिन किसानों ने दो लाख रुपये तक का कर्ज लिया है, उन्हें एकमुश्त माफ कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा, ''मंत्रिमंडल ने 12 दिसंबर, 2018 से नौ दिसंबर, 2023 तक पांच साल की अवधि के लिए राज्य के किसानों द्वारा लिए गए दो लाख रुपये के कर्ज को माफ करने का फैसला किया है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि पात्रता शर्तों सहित ऋण माफी का विवरण जल्द ही एक सरकारी आदेश (जीओ) में घोषित किया जाएगा। रेड्डी ने कहा कि कर्ज माफी से राज्य के खजाने पर लगभग 31,000 करोड़ रुपये का बोझ पड़ेगा।

22-06-2024	23-06-2024
सूर्यास्त 6:37 बजे	सूर्योदय 5:44 बजे

BSE	NSE
77,209.90	23,501.10
(-269.03)	(-65.90)

सोना	चांदी
7,387 रु.	96,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बिलबिलाहट

अब चला न जाए पीओके,
इस कारण ही बिलबिला रहा।
दहशतगर्दी को शह देकर,
केसर में कीचड़ मिला रहा।
अपना नंगापन ढँकने वो,
झूठा पायजामा सिला रहा।
जनता को देने बस गद्दा,
केवल झुनझुना हिला रहा।।

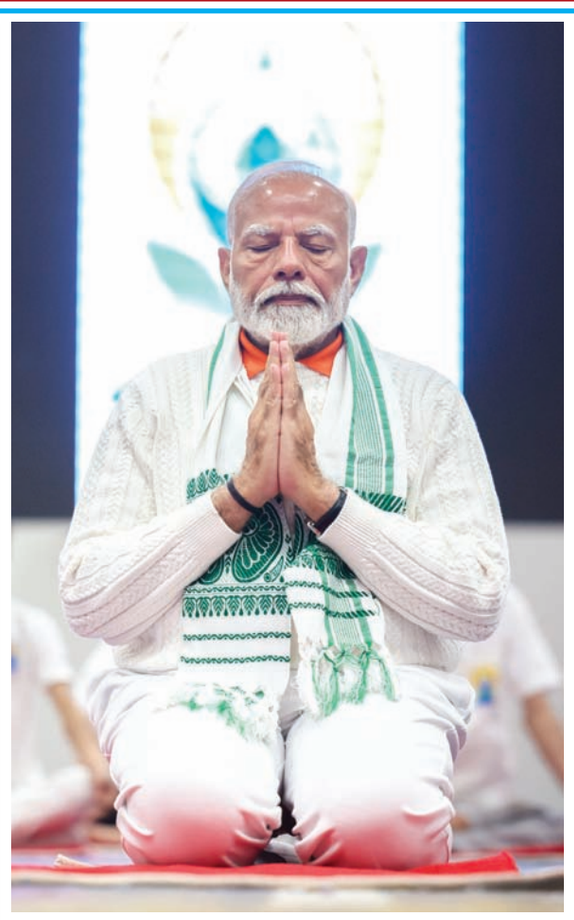

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर पूरा देश हुआ योगमय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। दसवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर शुक्रवार को पूरा देश योगमय हो गया और सांस्कृतिक-धार्मिक बंधनों से परे लोगों ने योगाभ्यास करने के साथ स्वस्थ एवं रोगमुक्त जीवन के मूलमंत्र योग को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

संसद भवन परिसर में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की अगुवाई में योग दिवस मनाया गया। बिरला ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की बधाई देते हुए कहा , आज योग सम्पूर्ण विश्व में एक आंदोलन है। पूरी दुनिया भाग्यशाली है कि हमारे पास योग के रूप में ऐसी शक्ति है जो हमारे अंदर संतुलन स्थापित कर हमें कुशल, सक्रिय और स्वावलंबी बनाता है। पूरे विश्व में योग को स्वीकृति मिल रही है और योग जन-जन के दैनिक जीवन का एक अहम हिस्सा बन गया है।

दिल्ली में सुबह अनेक स्थानों पर योगाभ्यास का आयोजन किया गया जिसमें हजारों लोगों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। केंद्रीय आयुष मंत्रालय ने योगाभ्यास के लिए नई दिल्ली नगर पालिका परिषद, दिल्ली विकास प्राधिकरण तथा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के साथ करार किया था।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सुबह योगाभ्यास किया और लोगों को शुभकामनाएं देते हुए योग संदेश दिया।

विश्व को जोड़ने की सबसे बड़ी शक्ति बन गया योग : मोदी

नई दिल्ली/एजेन्सी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि दुनिया भर में योग दिवस के बड़े पैमाने पर मनाए जाने से यह साबित हो गया है कि यह विश्व को जोड़ने की सबसे बड़ी शक्ति बन गया है।

मोदी ने 10 वें अंतराष्ट्रीय योग दिवस के सफल आयोजन के लिए सभी को बधाई दी और योग प्रशिक्षकों की सराहना की। प्रधानमंत्री ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, व्यक्तियों, समुदायों और संगठनों के सामूहिक प्रयासों की बदौलत 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस दुनिया भर में बड़े पैमाने पर आयोजित किया गया है, जिसमें सभी ने एक साथ आकर योग का अभ्यास किया। यह स्पष्ट है कि योग एक एकीकृत शक्ति बन गया है, जो विभिन्न संस्कृतियों और पृष्ठभूमियों के लोगों को एक साथ ला रहा है। युवाओं को इतने उत्साह और समर्पण के साथ योग सत्र में भाग लेते देखकर खुशी हो रही है। उन्होंने कहा,मैं योग को लोकप्रिय बनाने के लिए काम करने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त करता हूं। ये प्रयास एकता और सद्भाव को आगे बढ़ाने में काफी मदद करेंगे। मुझे योग प्रशिक्षकों की संख्या में वृद्धि देखकर भी खुशी हो रही है जिनकी विशेषज्ञता और जुनून दूसरों को योग अपनाने के लिए प्रेरित कर रहा है।आने वाले समय में भी योग दुनिया को एक साथ लाता रहेगा।

योग के रूप में भारत ने पूरे विश्व को सबसे बड़ा उपहार दिया : अमित शाह

अहमदाबाद/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि भारत ने मानवता को काफी कुछ दिया है लेकिन योग विश्व को दिया गया सबसे बड़ा उपहार है। शाह ने 10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर अहमदाबाद के एक उद्यान में योगाभ्यास करने के बाद यह बात कही।

शाह ने कहा, ''यह दिन एक विशेष महत्व इसीलिए रखता है क्योंकि ये 10वां योग दिवस है। 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेन्द्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित किया और 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने का प्रस्ताव रखा। उनके प्रस्ताव को स्वीकार कर 170 से अधिक देशों ने योग दिवस मनाने को सहमति दी।''

शाह ने अपने संबोधन में कहा कि आज पूरा विश्व योग को स्वीकार रहा है, लोग सीख रहे हैं और दूसरों को सिखा रहे हैं। मंत्री ने कहा, ''भारत ने मानवता को काफी कुछ दिया है। लेकिन अगर कोई सबसे बड़ा उपहार दिया है तो वह योग है। अपने मन के अंदर की शक्तियों को आत्मा से जोड़ने का योग से बड़ा कोई और माध्यम नहीं हो सकता। योग आज के जमाने में प्रचलित कई रोगों का उपाय भी है।

दुनियाभर में लोगों ने लगाए 'आसन'

नई दिल्ली/भाषा। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर शुक्रवार को भारत समेत दुनियाभर में करोड़ों लोगों ने आसन लगाने के साथ प्राणायाम किये और देश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कश्मीर से इस समारोह का नेतृत्व किया। न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने 'टाइम्स स्क्वायर एलायंस' के साथ प्रतिष्ठित 'टाइम्स स्क्वायर' पर विशेष योग सत्र की मेजबानी की। वाशिंगटन में भी सैकड़ों योग प्रेमियों का जमावड़ा दिखा।

तेल अवीव में 'पेरेस सेंटर फॉर पीस एंड इनोवेशन' में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर इजराइल के 300 से अधिक लोगों ने आसन किए।

सिंगापुर, श्रीलंका, फ्रांस, ब्रिटेन, मलेशिया, इंडोनेशिया, कुवैत और इटली सहित दुनिया के अन्य हिस्सों में स्थित भारतीय दूतावासों ने भी योग दिवस मनाया।

ब्रिटिश उच्चायोग, अमेरिका और इजराइल के दूतावास उन राजनयिक मिशनों में शामिल थे जिन्होंने भारत में योग दिवस समारोह में हिस्सा लिया।

योग मानवता के लिए भारत का अनूठा उपहार है : मुर्मू

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को कहा कि योग मानवता के लिए भारत का अनूठा उपहार है और जीवनशैली से जुड़ी बढ़ती समस्याओं के कारण यह और भी महत्वपूर्ण हो गया है।

मुर्मू ने राष्ट्रपति सचिवालय के अधिकारियों के साथ यहां राष्ट्रपति भवन में योग भी किया। राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर पूरे विश्व समुदाय, खासकर भारत के नागरिकों, को बधाई। योग मानवता के लिए भारत का अनूठा उपहार है। जीवनशैली से जुड़ी बढ़ती समस्याओं के मद्देनजर योग आज और भी महत्वपूर्ण हो गया है।'' उन्होंने योग करते हुए अपनी तस्वीरें भी 'एक्स' पर साझा कीं।

अरविंद केजरीवाल की जेल से रिहाई पर हाईकोर्ट की अंतरिम रोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने शराब घोटाले से संबंधित धनशोधन के एक मामले के आरोपी मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जमानत देने के यहां की एक विशेष अदालत के आदेश पर शुक्रवार को अंतरिम रोक लगा दी।

न्यायमूर्ति सुधीर कुमार जैन की अवकाशकालीन एकल पीठ ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से निचली अदालत के केजरीवाल को जमानत देने के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद यह अंतरिम आदेश पारित किया।

पीठ के समक्ष ईडी का पक्ष अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू, जबकि मुख्यमंत्री का पक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी और विक्रम चौधरी ने रखा।

न्यायमूर्ति जैन ने दोनों पक्षों की दलीलें विस्तार पूर्वक सुनने के बाद केजरीवाल की जमानत पर अंतरिम रोक लगाते हुए कहा कि इस मामले में अगले दो-तीन दिनों में विस्तृत आदेश पारित किया जाएगा। इस दौरान निचली अदालत के आदेश पर अंतरिम रोक रहेगी। उन्होंने ने कहा, मैं आदेश को दो से तीन दिनों के लिए सुरक्षित रख रहा हूं। आदेश की घोषणा तक निचली अदालत के आदेश के क्रियान्वयन पर रोक है।

इससे पहले उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सुधीर कुमार जैन और न्यायमूर्ति रविंदर डुडेजा की अवकाशकालीन पीठ ने ईडी की अपील पर तत्काल सुनवाई के अनुरोध पर कहा था, जब तक हम इस पर सुनवाई नहीं कर लेते तब तक यह आदेश (जमानत पर जेल से रिहाई का) प्रभावी नहीं होगा।' राऊज एवेन्यू स्थित ईडी और सीबीआई की अवकाशकालीन न्यायाधीश नियाय बिंदू ने केजरीवाल को गुरुवार को बड़ी राहत देते हुए जमानत दे दी थी।

इंदौर हवाई अड्डे को हफ्ते में दूसरी बार बम विस्फोट की फर्जी धमकी

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। इंदौर के देवी अहिल्याबाई होलकर हवाई अड्डे को इस हफ्ते में दूसरी बार बम विस्फोट की फर्जी धमकी मिलने के बाद पुलिस ने आपराधिक मामला दर्ज किया है। पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आलोक कुमार शर्मा ने संवाददाताओं को बताया कि एक अज्ञात व्यक्ति ने देवी अहिल्याबाई होलकर हवाई अड्डे के निदेशक के आधिकारिक ई-मेल खाते पर बुधवार रात संदेश भेजकर इस परिसर में बम विस्फोट की धमकी दी। उन्होंने बताया,''हवाई अड्डे के भीतर सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने वाले केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) और पुलिस की जांच में यह धमकी फर्जी साबित हुई।''

नीट-यूजी विवादः

न्यायालय का काउंसलिंग टालने से इनकार, परीक्षा निरस्त करने को लेकर नोटिस जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को विवादों में घिरी राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी)-2024 की छह जुलाई से प्रस्तावित काउंसलिंग प्रक्रिया को टालने से इनकार कर दिया और कहा कि यह ऐसी प्रक्रिया नहीं है जिसे जब चाहे शुरू और जब चाहे बंद कर दिया जाए।

शीर्ष अदालत ने पांच मई को आयोजित परीक्षा में कथित अनियमितता को लेकर नीट-यूजी को रद्द करने के आग्रह वाली याचिका पर राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए), केंद्र सरकार और अन्य को नोटिस जारी किये हैं।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति एसवीएन भट्टी की अवकाशकालीन पीठ ने परीक्षा में धांधली का आरोप लगाने वाली अन्य लंबित याचिकाओं के साथ इस मामले की अगली सुनवाई आठ जुलाई को तय की है।

याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश अधिवक्ता ने पीठ से अनुरोध किया कि काउंसलिंग प्रक्रिया दो दिनों तक रोकी जा सकती है क्योंकि उच्चतम न्यायालय इन सभी याचिकाओं पर आठ जुलाई को सुनवाई करने वाला है। अधिवक्ता ने तर्क दिया, ''मैं काउंसलिंग पर स्थगन का अनुरोध नहीं कर रहा हूं। मैं केवल प्रार्थना कर रहा हूं कि छह जुलाई को होने वाली काउंसलिंग केवल दो दिनों के लिए टाल दी जाए। इसका कारण यह है कि मुख्य मामला आठ जुलाई को सूचीबद्ध है।''

पीठ ने कहा, ''हम एक ही तरह के बयान सुन रहे हैं। आपको बीच में रोकने को अन्यथा न लें। काउंसलिंग का मतलब 'शुरू करना और बंद करना' नहीं है। यह एक प्रक्रिया है, जोकि छह जुलाई से शुरू हो रही है।'' जब पीठ ने काउंसलिंग के पहले दौर की अवधि के बारे में पूछा, तो मामले में उपस्थित वकीलों में से एक ने कहा कि यह लगभग एक सप्ताह तक चलेगी। पीठ ने काउंसलिंग प्रक्रिया को स्थगित करने से इनकार करते हुए कहा कि एनटीए, केंद्र और अन्य उत्तरदाताओं की ओर से पेश अधिवक्ता दो सप्ताह के भीतर याचिका पर अपना जवाब दाखिल कर सकते हैं।

भीषण गर्मी के बीच देश में जलाशयों का जल स्तर गिरकर 21 प्रतिशत रह गया : सीडब्ल्यूसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश में बीते कुछ सप्ताह से जारी भीषण गर्मी के बीच 150 प्रमुख जलाशयों के भंडारण स्तर में लगातार गिरावट आई है और यह कुल भंडारण क्षमता का 21 प्रतिशत रह गया है।

केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) ने शुक्रवार को देश भर के 150 प्रमुख जलाशयों के ताजा भंडारण स्तर की स्थिति पर अपना साप्ताहिक बुलेटिन जारी किया।

■ जलाशयों की भंडारण क्षमता के मद्देनजर देश के दक्षिणी क्षेत्र सर्वाधिक प्रभावित हैं।

जलविद्युत परियोजनाओं और जलापूर्ति के लिए महत्वपूर्ण इन जलाशयों की संयुक्त भंडारण क्षमता 178.784 अरब घन मीटर (बीसीएम) है, जो देश में निर्मित कुल भंडारण क्षमता का लगभग 69.35 प्रतिशत है।

सीडब्ल्यूसी के मुताबिक बृहस्पतिवार तक इन जलाशयों में उपलब्ध जल भंडारण 37.662 बीसीएम है, जो उनकी कुल क्षमता का 21 प्रतिशत है।

जलाशयों का मौजूदा भंडारण 10 वर्ष के औसत (सामान्य) भंडारण 41.446 बीसीएम से भी कम है। इस प्रकार, मौजूदा भंडारण पिछले वर्ष के स्तर का 80 प्रतिशत तथा इस अवधि के सामान्य भंडारण का 91 प्रतिशत है। उत्तरी और पूर्वी भारत के बड़े हिस्से लंबे समय से भीषण गर्मी की चपेट में हैं, जिससे राष्ट्रीय राजधानी सहित देश के कई क्षेत्रों में जल संकट पैदा हो गया है। जलाशयों की भंडारण क्षमता के मद्देनजर देश के दक्षिणी क्षेत्र सर्वाधिक प्रभावित हैं।

नीट पेपर लीक के विरोध में

कांग्रेस ने किया देशभर में प्रदर्शन

नई दिल्ली/एजेन्सी। कांग्रेस ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट के पेपरलीक मामले में शुक्रवार को देश के विभिन्न राज्यों की राजधानियों में प्रदर्शन किया और पेपर लीक के आरोपियों को तत्काल सख्त सजा देने की मांग की। मध्य प्रदेश में कांग्रेस कार्यर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी तथा पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के साथ नीट पेपर लीक घोटाले का विरोध किया और कहा कि मोदी सरकार में लगातार हो रहे पेपर लीक देश की नींव को कमजोर कर रहे हैं। ये लाखों छात्रों के साथ धोखा है, अन्याय है। छत्तीसगढ़ में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन करते हुए कार्यकर्ताओं ने कहा

कि मोदी सरकार में बढ़ते लालच और भ्रष्टाचार से छात्रों का भविष्य दांव पर लगा है। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष आजय राय के नेतृत्व में पेपर लीक घोटाले का जमकर विरोध किया और कहा, तानाशाह सरकार कितना भी जोर लगा ले अन्याय के खिलाफ हमारी आवाज को नहीं दबा पाएगी। उन्होंने नीट परीक्षा रद्द करने की मांग करते हुए कहा, ये लडाई उन सभी बच्चों और उनके माता-पिता के लिए है जिन्होंने दिन रात मेहनत करके अपने बच्चों को पढ़ाया।

राजभवन में देश के 10 राज्यों का स्थापना दिवस मनाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक राजभवन में राज्यपाल थावरचन्द गहलोत की उपस्थित में गुरुवार को बिहार, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल और तेलंगाना राज्यों का स्थापना दिवस राजभवन के ग्लास हाउस में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संबंधित राज्यों के नागरिक मौजूद थे। इन राज्यों के राज्यपालों द्वारा देश और अपने राज्यों की उपलब्धियों के बारे में एक वीडियो संदेश दिया गया। इस मौके पर सभी राज्यों के राज्यपाल ने देश के प्राकृतिक वैभव, सभ्यता, संस्कृति, परंपराओं, दार्शनिक स्थलों, उपलब्धियों और भव्य इतिहास का वर्णन किया। सभी 10 राज्यों के कलाकारों ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। सभी 10 राज्यों के प्रतिनिधियों ने अपने अपने राज्य की सराहना करते हुए कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत को धन्यवाद दिया।

राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने सभी राज्यों के प्रतिनिधियों, कलाकारों का अभिनंदन कर उन्हें स्थापना दिवस की बधाई के साथ शुभकामनाएं दीं। गहलोत ने पूरे भारत में राज्यों के स्थापना दिवस मनाने के महत्व पर प्रकाश डाला और एक भारत, श्रेष्ठ भारत के आदर्शों पर जोर दिया और कहा कि इस तरह के समारोह सामाजिक संबंधों और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देते हैं।

इस मौके पर सभा को संबोधित करते हुए राजस्थान के महेंद्र मुणोत ने कहा कि कर्नाटक हमारी कर्मभूमि है, हमें यहां की भाषा सीखनी चाहिए, यहां की संस्कृति का सम्मान करना चाहिए, यहां के लोगों के साथ प्रेम और सद्भाव बनाए रखना चाहिए और यहां के विकास में सहयोग करना चाहिए। यह भी देश के लिए एक सेवा है। साथ ही हम अपने जन्मस्थान या गृहनगर के प्रति बहुत कृतज्ञता के साथ उस मिट्टी से जुड़े रहे यह भी हमारा कर्त्तव्य है ।

मायुम बेंगलूरु की कार्यकारिणी समिति बैठक में हुई कार्यों पर चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु शाखा की वर्ष 2024-25 कार्यकारिणी समिति की दूसरी बैठक में अध्यक्ष स्नेहकुमार जाजू ने सभी उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया। निवर्तमान अध्यक्ष अंकित मोदी ने मंच से नए सदस्यों को ज्यादा से ज्यादा जोड़ने के विषय पर बल दिया। मंच के वरिष्ठ सदस्य मनीष मेहनसरिया व पंकज जालान ने भी संगठन की मजबूती पर जोर दिया। विनोद गर्ग एवं सुशील सैनी ने विद्यार्थियों के लिए स्कूल बैग वितरण कार्यक्रम की जानकारी दी। अरुण शर्मा, अमित मोदी, कन्हैया अग्रवाल ने अनुमोदना की। जयेश पोद्दार ने पिता दिवस प्रतियोगिता के विजेताओं की घोषणा की। रक्तदान शिविर आयोजन के लिए वरुण अग्रवाल व विवेक खंडेलवाल को धन्यवाद दिया गया। पुनीत राठी ने 23 जून को आयोजित योग दिवस पर प्रकाश डाला। सोनू शर्मा एवं श्री अमित यादुका ने अमृत धारा के अंतर्गत लगाए जा रहे शुद्ध शीतल पेयजल के कार्यों की सराहना की। प्रांतीय महामंत्री मोहित शर्मा ने शाखा द्वारा किए जा रहे कार्य की सराहना की। शाखा के कोषाध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने मंच का संचालन किया। सचिव शुभम लोहिया ने धन्यवाद दिया।

भिक्षु दर्शन प्रशिक्षण कार्यशाला व योग अभ्यास सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी के सान्निध्य में अभातेयुप द्वारा निर्देशित भिक्षु दर्शन प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन तेरापंथ भवन में किया गया। साध्वीश्री ने भिक्षु स्वामी के अनेकों दृष्टांतों से उपस्थित जनों को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि जिन्होंने भी भिक्षु स्वामी के सिद्धांतो को जीवन में उतारा है उनका जीवन बहुत ही सुलझा और सरल रहेगा । साध्वीश्री दीक्षा प्रभाजी ने भिक्षु गीतिका के माध्यम से सहधर्मी को भिक्षु रस श्रवण कराया। इस उपलक्ष्य में तेरापंथ सभा अध्यक्ष तेजमल सिंघवी, मूलचंद नाहर, तेयुप अध्यक्ष अंकुश बैद, अभातेयुप से गौतम खाब्या, तेयुप मंत्री राजीव हीरावत, महिला मंडल अध्यक्षा सरोज दूगड़ सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

एक अन्य कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन कुमारस्वामी विद्यामंदिर स्कूल प्रांगण हनुमंतनगर में साध्वी सिद्धप्रभाजी के सान्निध्य में किया गया।

साध्वीश्री ने योग के फायदे बताए। प्रेक्षा फाउंडेशन प्रशिक्षकोंओ द्वारा विभिन्न प्रकार के योग अभ्यास कराए। प्रेक्षा फाउंडेशन, हनुमंतनगर सभा, युवक परिषद् , किशोर मंडल, महिला मंडल के इस संयुक्त आयोजन में प्रेक्षा फाउंडेशन से वीणा बैद, छत्तर सिंह मालू व हनुमंतनगर सभा संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे।

योग दिवस पर आयोजित किया रक्तदान शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सेवा ब्रिगेड फाउंडेशन ने मीशो मीशो हेलियोस बिजनेस पार्क और मणिपाल अस्पताल व्हाइटफील्ड के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन कडुबीसनहल्ली में किया। फाउंडेशन के निदेशक एवं संस्थापक प्रवीणकुमार पांडेय ने बताया कि इस रक्तदान शिविर में लगभग 50 लोगों ने रक्तदान किया। फाउंडेशन की ओर से मीशो व अस्पताल के प्रभारियों का सम्मान किया।

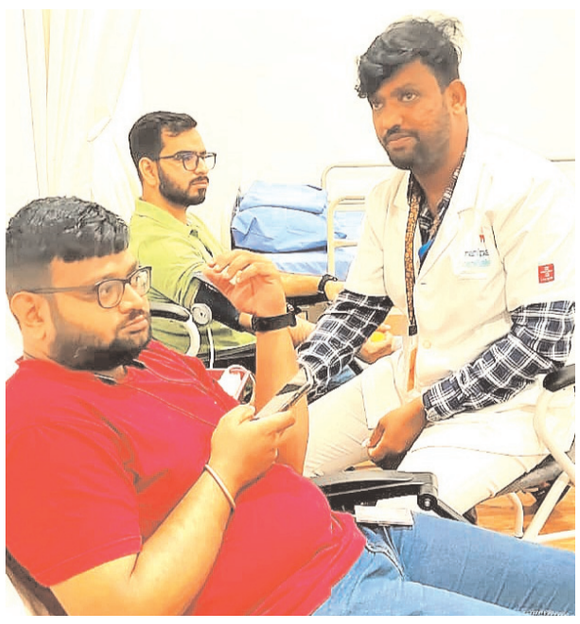

नवकार के स्मरण से कर्मों का क्षय होता है : मुनिश्री राजपद्मसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के ईटा सकल जैन संघ के तत्वावधान में मुनिश्री राजपद्मसागरजी एवं साध्वीश्री सुशीलाकंवरजी का प्रवचन कार्यक्रम हुआ। साध्वी जयश्रीजी द्वारा मंगल गीतिका से कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। साध्वीश्री सुशीलाकंवरजी ने कहा कि प्रभु कहते है कि स्वाभिमान रखो मगर किसी भी तरह का अभिमान मत रखो। अहंकार संसार में परिभ्रमण करवाता है।

भवसागर स पार होना है तो अहंकार का त्याग करना होगा। मुनिश्री राजपद्मसागरजी ने कहा कि महामंत्र नवकार के जाप से आधि व्याधि दूर होती है। जिस तरह आग बुझाने में पानी की जरूरत होती है सुबह प्रकार अंतर आत्मा में राग द्वेष लोभ आदि को शांत करने में प्रभु महावीर की वाणी श्रेयस्कर है। नवकार की साधना दिन में कम से कम 3 घड़ी करनी चाहिए। कर्म राजा किसी को नहीं छोड़ता अतः मिथ्यात्व से बचें। धर्म व साधुओं की निंदा से बचते हुए नवकार का स्मरण करें। स्वागत ईटा गॉर्डन अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष पृथ्वीराज मेहता ने किया। व्यवस्था सुरेंद्र भंसाली एवं नितेश बालदा ने संभाली।

रेणुकास्वामी को दिए गए थे बिजली के झटके, जांच में हुआ खुलासा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। रेणुकास्वामी हत्या मामले की जांच कर रही कर्नाटक पुलिस ने कहा है कि कन्नड़ फिल्म अभिनेता दर्शन थूगुदीपा ने कथित हत्या के बाद कई लोगों से संपर्क किया था जबकि एक अन्य आरोपी ने यह बात स्वीकार की है कि पीड़ित को बिजली के झटके दिए गए थे।

पुलिस ने बताया कि आरोपी नम्बर दो- अभिनेता दर्शन ने अपने खिलाफ ''प्रतिकूल कानूनी कार्रवाई'' से बचने और हत्या की साजिश एवं सबूतों को नष्ट करने में लगने वाले खर्चे के लिए अपने एक दोस्त से 40 लाख रुपये लिये थे और धनराशि बरामद कर ली गई है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को 24वें अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट (एसीएमएम) अदालत के समक्ष दायर हिरासत आवेदन में जांच पर जानकारी साझा की। इसके साथ ही पुलिस ने अदालत से दर्शन और तीन अन्य आरोरियों की पुलिस हिरासत और उनकी दोस्त पवित्रा गौड़ा तथा शेष आरोपियों की न्यायिक हिरासत का अनुरोध किया।इस हत्या मामले में दर्शन और गौड़ा सहित कुल 17 लोग आरोपी हैं।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, अभिनेता के एक प्रशंसक रेणुकास्वामी ने गौड़ा को अश्लील संदेश भेजे थे, जिससे दर्शन नाराज हो गया और कथित तौर पर उसकी हत्या कर दी गई। उसका शव 9 जून को यहां सुमनहल्ली में एक अपार्टमेंट के बगल में एक नाले के पास मिला था। पुलिस ने कहा है कि 47 वर्षीय अभिनेता और अन्य आरोपियों - धनराज डी, विनय वी और प्रदोष - ने जांच में सहयोग नहीं किया और तथ्यों को छिपाने की कोशिश की। अदालत ने बृहस्पतिवार को चारों की पुलिस हिरासत दो दिन के लिए 22 जून तक बढ़ा दी। बाकी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

पुलिस ने आरोपी नंबर एक पवित्रा गौड़ा की पहचान रेणुकास्वामी की हत्या के लिए मुख्य कारण के रूप में की है और कहा है कि जांच से यह साबित हो गया है कि उसने अन्य आरोपियों को उकसाया, उनके साथ साजिश रची और अपराध में शामिल हुई। पुलिस ने कहा कि अभी तक मिले सबूतों के आधार पर यह साबित होता है कि दर्शन इस हत्या में शामिल था। पुलिस ने कहा है कि दर्शन ने पैसे, अन्य आरोपियों और अपने प्रशंसकों का उपयोग करके इस अपराध को अंजाम दिया और कानून का दुरुपयोग किया।

जांच के दौरान (आरोपी नंबर नौ) धनंजय ने अपने बयान में पुलिस को बताया कि उसने रेणुकास्वामी पर हमला किया और उसे झटके देने के लिए 'इलेक्ट्रिक शॉक टॉर्ज' का इस्तेमाल किया। पुलिस ने उक्त उपकरण जब्त कर लिया है। पुलिस ने कहा, उसने अभी तक यह नहीं बताया है कि यह उपकरण उसे कहा से मिला और वह जानकारी छिपा रहा है। उससे अभी पूछताछ की जानी है।

पुलिस के मुताबिक इस अपराध के बाद दर्शन ने कई व्यक्तियों से संपर्क किया था और इसके पीछे के मकसद और कारणों का पता लगाने के लिए उससे आगे की जांच करने की आवश्यकता है। ऐसी जानकारी है कि कुछ प्रभावशाली लोगों ने जांच में हस्तक्षेप करने की कोशिश की थी, हालांकि पुलिस ने इसे खारिज कर दिया। पुलिस के अनुसार, दर्शन ने अपने संशोधित बयान में प्रतिकूल कानूनी कार्रवाई से बचने तथा षडयंत्र को छिपाने और सबूत नष्ट करने के लिए अपने मित्र मोहन राज से 40 लाख रुपये लेने की बात स्वीकार की है।

दपरे के हुब्बल्ली मंडल ने योग दिवस मनाया

हुब्बल्ली/दक्षिण भारत। हुब्बली मंडल ने शुक्रवार को 10वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया। इस अवसर पर हुब्बली स्थित रेलवे ऑफिसर्स क्लब में योग सत्र का आयोजन किया गया। आर्ट ऑफ लिविंग की योग विशेषज्ञा निवेदिता के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों ने विभिन्न आसन और प्राणायाम किए। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक हर्ष खरे, अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक संतोष कुमार वर्मा, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी के आसिफ हफीज, अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों ने सत्र में भाग लिया। हुब्बली मंडल में डिपो, स्टेशनों और विभिन्न इकाइयों में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया।

आरडब्ल्यूएफ में योग दिवस मनाया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। रेल पहिया कारखाने में शुक्रवार को 10वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। श्रीविज्ञान योग केन्द्र की योग प्रशिक्षक अनुराधा ने सत्र का मार्गदर्शन किया। उन्होंने विभिन्न आसनों का प्रदर्शन किया और प्रतिभागियों को उनके लाभों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने नियमित योगाभ्यास से होने वाले मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य लाभों के बारे में बताया। इस अवसर पर महाप्रबंधक आर राजगोपाल, प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी सुवर्णा देशपांडे दाश, विभिन्न विभागों के प्रमुखों, वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारी परिषद और विभिन्न संघों के सदस्यों, कर्मचारियों और बच्चों ने योग और प्राणायाम सत्र में भाग लिया।

होटल में सिलेंडर फटने से 10 लोग घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कलबुर्गी। कर्नाटक के एक भोजनालय में शुक्रवार को सुबह एलपीजी सिलेंडर फट जाने से 10 लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सप्तगिरी ऑरेंज होटल में हुए धमाके के दौरान वहां कोई ग्राहक नहीं था। यह हादसा सुबह सवा छह बजे के करीब हुआ। तब वहां कर्मचारी नाश्ते की तैयारी कर रहे थे। उन्होंने बताया कि एलपीजी सिलेंडर फटने के बाद रसोईघर में आग लग गई और कई कर्मचारी घायल हो गए।

अधिकारियों ने बताया कि सभी घायल कर्मचारियों को अस्पताल ले जाया गया और अग्निशमन एवं बचाव सेवा कर्मियों के एक दल ने आग बुझाई। एक अधिकारी ने कहा, घायल हुए कर्मचारियों का इलाज जारी है। इनमें से दो की हालत गंभीर है। कर्मचारियों के द्वारा दिए गए बयान के आधार पर हम मामला दर्ज करेंगे।

बीईएल ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । रक्षा क्षेत्र की नवरत्न पीएसयू भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) की इकाइयों और कार्यालयों में आज 10 वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। बीईएल के जालहल्ली स्थित बेंगलूरु कॉम्प्लेक्स में सुबह-सुबह ही लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा, क्योंकि योग विशेषज्ञों द्वारा आयोजित सुबह के योग सत्र में 500 से अधिक कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। देश भर में फैली सभी इकाइयों में स्थानीय भाषाओं, हिंदी और अंग्रेजी में योग की शपथ दिलाई गई। योग दिवस समारोह के तहत विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं और विजेताओं को पुरस्कार दिए गए। निम्हांस के सहयोग से बेंगलूरु स्थित बीईएल एकेडमी फॉर एक्सीलेंस में योग और स्वास्थ्य पर संगोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें 300 से अधिक महिला कर्मचारियों ने भाग लिया।

समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए वायुसेना ने योग दिवस मनाया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। योग के संदेश का प्रसार करने और कार्मिकों एवं उनके परिवारों के शारीरिक, मानसिक और समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए मुख्यालय प्रशिक्षण कमान (आईएएफ) ने शुक्रवार को 10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया। क्षेत्र की सभी इकाइयों के 3,000 से ज्यादा भारतीय वायुसेना कर्मियों और उनके परिवार के सदस्यों, प्रशिक्षुओं, अग्निवीरवायु (पुरुष और महिला) और छात्रों ने इस कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रशिक्षण कमान के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ एयर मार्शल नागेश कपूर ने मुख्यालय प्रशिक्षण कमान के वरिष्ठ अधिकारियों, कमांडरों और उनकी संबंधित इकाइयों के कार्मिकों के साथ योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरणा देने के वास्ते सत्र में भाग लिया। कार्यक्रम में योगाभ्यास के महत्त्व और स्वास्थ्य लाभ पर परिचयात्मक चर्चा, यौगिक क्रियाएं, ध्यान अभ्यास, उसके बाद संकल्प और प्रार्थना को शामिल किया गया।

दपरे मुख्यालय ने मनाया योग दिवस

नियमित योगाभ्यास से स्वास्थ्य संबंधी लाभों के बारे में जानकारी दी

हुब्बल्ली/दक्षिण भारत। दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) द्वारा हुब्बल्ली के गदग रोड स्थित चालुक्य रेलवे संस्थान में 10वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। यह कार्यक्रम सुबह 7 से 8 बजे तक हुआ। इस दौरान प्रसिद्ध योग प्रशिक्षक और राज्य स्तरीय स्वर्ण पदक विजेता उषा मोद ने सत्र का नेतृत्व किया। उन्होंने विभिन्न आसनों का प्रदर्शन किया और प्रतिभागियों को अपनी दिनचर्या में योग को शामिल करने संबंधी लाभों के बारे में जानकारी दी। इस कार्यक्रम में दक्षिण पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अरविंद श्रीवास्तव, अपर महाप्रबंधक केएस जैन, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष, अन्य वरिष्ठ अधिकारी, एसडब्ल्यूआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ के सदस्य, भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के सदस्य तथा कर्मचारियों ने भी योग एवं प्राणायाम सत्र में भाग लिया।

दपरे मैसूरु मंडल : वैश्विक शांति, सद्भाव और प्रगति के लिए किया योगाभ्यास

मैसूरु/दक्षिण भारत। दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) के मैसूरु मंडल ने इस वर्ष की थीम 'स्वयं और समाज के लिए योग' के अनुरूप अंतरराष्ट्रीय योग दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया। वैश्विक शांति, सद्भाव और प्रगति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम मैसूरु के यादवगिरि स्थित रेलवे कल्याण मंटप में आयोजित किया गया।

समारोह का उद्घाटन मंडल रेल प्रबंधक शिल्पी अग्रवाल ने किया। उन्होंने अपने संबोधन में योग के अनेक लाभों पर प्रकाश डाला तथा रेलवे कर्मचारियों और उनके परिवारों से नियमित योगाभ्यास को अपने जीवन में शामिल करने का आग्रह किया। उन्होंने योग की प्रासंगिकता पर विस्तार से चर्चा की तथा समग्र कल्याण के लिए निरंतर अभ्यास की आवश्यकता पर बल दिया। इस कार्यक्रम में मैसूरु के अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक (जनरल) विनायक नायक और अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक (इन्फ्रा एवं परिचालन) ई विजया के साथ अन्य वरिष्ठ अधिकारी और लगभग 200 कर्मचारी शामिल हुए। एक घंटे तक चले योग सत्र का संचालन आर्ट ऑफ लिविंग के शिक्षकों द्वारा किया गया। उन्होंने प्रतिभागियों को बुनियादी आसन सिखाए और हर आसन के लाभों के बारे में जानकारी दी।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने 10वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने शुक्रवार को 10वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया, जिसमें पीएमओ में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह, प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पी के मिश्रा, वरिष्ठ अधिकारियों और अन्य लोगों ने योग सत्र में हिस्सा लिया। पीएमओ ने यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर श्रीनगर स्थित शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस सेंटर में आयोजित मुख्य समारोह में हिस्सा लिया। समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि दुनिया आज योग को वैश्विक भलाई के एक शक्तिशाली माध्यम के रूप में देखती है, क्योंकि यह लोगों को अतीत का बोझ उठाए बिना वर्तमान में जीने में मदद करता है।

योग

कोयम्बटूर के पास स्थित ईशा योग संस्थान में विशाल प्रतिमा आदियोगी के समक्ष योग करते हुए भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष के. अन्नामलाई। इस मौके पर अनेक लोगों एवं एनसीसी कैडेट एवं मद्रास सैपर्स के जवानों आदि ने योग किया।

तमिलनाडु में योग दिवस पर उत्साह, केंद्रीय मंत्री संजय सेठ ने लिया हिस्सा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पूरे उत्साह के साथ मनाया गया तथा धनुषकोडी में केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ के नेतृत्व में कार्यक्रम हुआ। धनुषकोडी में भारतीय तटरक्षक बल की ओर से आयोजित विशेष योग सत्र में तटरक्षक पूर्व क्षेत्र के कमांडर महानिरीक्षक डॉनी माइकल ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में सेठ ने कहा, योग एक समग्र अभ्यास है जो शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर करता है।

यहां नेहरू युवा केंद्र आडिटोरियम में आयोजित 10 वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह में पूर्व राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन ने कहा, आइए, हम अपने शरीर और मन को शांत और खुश रखने के लिए प्रतिदिन योग कला का अभ्यास करें। दक्षिण भारत एरिया, चेन्नई (डीबी एरिया) ने यहां मरीना (आईएनएस अड्यार) बीच पर तीनों सेनाओं के कर्मियों, उनके परिवार और एनसीसी के युवाओं के साथ 10 वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को अनूठे तरीके से मनाया।

कल्लाकुरिची को लेकर 'धरने' के बाद अन्नाद्रमुक विधायक विस से बाहर किये गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विधानसभा में शुक्रवार को कलाकुरिची जहरीली शराब घटना पर अपना व्यक्तव्य देते हुए मुख्यमंत्री एमके स्टालिन।

चेन्नई। कल्लाकुरिची जहरीली शराब घटना के खिलाफ धरना दे रहे विपक्ष के नेता ई. के. पलानीस्वामी और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के अन्य सदस्यों को शुक्रवार को तमिलनाडु विधानसभा से सामूहिक रूप से बाहर निकाल दिया गया। जहरीली शराब मामले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 47 हो गई है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने अन्नाद्रमुक पर 'नाटक' करने और भ्रम पैदा करने का आरोप लगाया तथा विपक्ष से इस गंभीर घटना से राजनीतिक लाभ नहीं लेने की अपील की।

सदन की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष के नेता (एलओपी) पलानीस्वामी के नेतृत्व में अन्नाद्रमुक विधायक खड़े हो गए और नारे लगाने लगे तथा कल्लाकुरिची घटना को उठाने के लिए अध्यक्ष की अनुमति मांगने लगे। शोरगुल के बीच, विधानसभा अध्यक्ष एम. अप्पावु ने सदन के नियमों का हवाला देते हुए उनसे बार-बार अपनी सीटों पर बैठने की अपील की। लेकिन विपक्षी सदस्य अडिग रहे और आसन के सामने एकत्र हो गए।

पलानीस्वामी और कई अन्य विधायक आसन के ठीक सामने फर्श पर बैठ गए। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष अप्पावु के निर्देश के बाद मार्शल ने आर बी उदयकुमार समेत कुछ विधायकों को बाहर निकाल दिया। विधानसभा अध्यक्ष ने फैसला सुनाया कि मुख्य विपक्षी पार्टी के विधायक आज कार्यवाही में शामिल नहीं हो सकते, लेकिन स्टालिन की अपील के बाद उन्होंने अपना फैसला वापस ले लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके साथ ही दिवंगत पूर्व मुख्यमंत्री एम करुणानिधि भी इस बात पर दृढ़ संकल्पित थे कि सदन की कार्यवाही लोकतांत्रिक तरीके से होनी चाहिए और मुख्य विपक्षी दल के सदस्यों को कार्यवाही में हिस्सा लेना चाहिए। हालांकि, अन्नाद्रमुक विधायक कार्यवाही में हिस्सा लेने के लिए तत्काल सदन में नहीं लौटे।

स्टालिन ने कहा कि दिसंबर 2001 में (जब अन्नाद्रमुक सत्ता में थी) कुड्डालोर जिले में भी ऐसी ही घटना हुई थी, जिसमें 52 लोगों की जान चली गई थी और 200 से ज़्यादा लोग प्रभावित हुए थे। उन्होंने कहा, मैंने कड़ी कार्रवाई का आदेश दिया है। उस समय (2001) उचित कार्रवाई नहीं की गई थी। उन्होंने कहा कि सदस्यों द्वारा उस घटना का ज़िक्र किए जाने के डर से उन्होंने (अन्नाद्रमुक ने) नाटक किया है।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा कि विपक्षी विधायकों का व्यवहार सदन के नियमों और परंपरा के खिलाफ था। उन्होंने भ्रम पैदा करने का प्रयास किया और उन्हें बाहर निकाल दिया गया। उन्होंने कहा कि पलानीस्वामी मुख्यमंत्री रह चुके हैं और अन्य लोग मंत्री रह चुके हैं, उन्हें इस तरह के व्यवहार से बचना चाहिए था। बाहर निकाले गए अन्नाद्रमुक सदस्यों में पूर्व मुख्यमंत्री ओ पन्नीरसेल्वम (ओपीएस) के समर्थक शामिल नहीं थे। विपक्षी विधायकों के हंगामे पर सदन के नेता दुरईमुरुगन ने कहा कि यह विपक्ष के नेता के नेतृत्व में और अन्नाद्रमुक विधायकों द्वारा एक अवांछनीय घटना थी और यह खेदजनक है।

वरिष्ठ मंत्री दुरईमुरुगन ने कहा कि विपक्षी विधायकों को मुद्दे उठाने और बहस करने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि हालांकि, यह सदन के नियमों के अनुरूप होना चाहिए और प्रश्नकाल बहुत महत्वपूर्ण है और उस दौरान आरोप नहीं लगाए जाने चाहिए। बाद में मीडिया को संबोधित करते हुए पलानीस्वामी ने कहा कि वह कल्लाकुरिची शराब त्रासदी को उजागर करना चाहते थे, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि इसमें 50 लोगों की मौत हो गई है।

उन्होंने विधायकों को सदन से बाहर किये जाने को लोकतंत्र की हत्या बताया। कल्लाकुरिची शराब त्रासदी पर कई विधायकों द्वारा पेश किए गए ध्यानाकर्षण प्रस्ताव का जवाब देते हुए स्टालिन ने 19 जून, 2024 को 'मेथनॉल मिश्रित ज़हरीली शराब' पीने से कल्लाकुरिची जिले में 47 लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता अपने विचार व्यक्त करने के लिए सदन में रुक सकते थे। उन्होंने कहा, हालांकि, ऐसा किए बिना, ऐसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर, वह राजनीतिक कारणों से अपने पार्टी सदस्यों के साथ चले गए।

स्टालिन ने कहा, मैं समस्याओं से भागने और छिपने वाला व्यक्ति नहीं हूं। मैंने की गई कार्रवाई की सूची दी है। मैंने अपराधियों को गिरफ्तार किये जाने के बाद ही आपको जवाब दिया है। मैं अपराधियों पर सख्ती से लगाम लगा रहा हूं।

मुख्यमंत्री ने कहा, मेरे पास अन्नाद्रमुक शासन के दौरान अवैध आसव से हुई मौतों की सूची है। मैं उस पर राजनीति करना पसंद नहीं करता। साथ ही, उन्होंने विपक्ष से इस गंभीर घटना का इस्तेमाल कर राजनीतिक लाभ न लेने की अपील की। उन्होंने लोगों को असामाजिक तत्वों से बचाने के लिए कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने उठाये गए कदमों का उल्लेख किया जिसमें चिकित्सा देखभाल में तेजी लाने के उपाय करना, चार लोगों की गिरफ्तारी, मेथनॉल की जब्ती शामिल है। उन्होंने कहा कि चाहे कोई भी हो, अगर वे जहरीली शराब त्रासदी से जुड़े हैं, तो उन्हें सजा दिलाई जाएगी।

उन्होंने कहा कि मई 2021 में सत्ता संभालने के बाद, द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) शासन में, अब तक अवैध आसव के संबंध में 4.61 लाख लोगों को गिरफ्तार किया गया है और 4.63 लाख मामले दर्ज किए गए हैं। उन्होंने कहा कि साथ ही, 16.51 लाख लीटर अवैध आसव जब्त करके नष्ट कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि गुंडा अधिनियम के तहत 565 लोगों को हिरासत में लिया गया है।

स्टालिन ने कहा, यह बहुत दुखद है कि इतने कड़े नियमों के बावजूद ऐसी अवांछनीय घटनाएं होती हैं। अवैध शराब को पूरी तरह खत्म करने के लिए कदम उठाए जाएंगे। यह सरकार प्रभावित लोगों को हरसंभव मदद मुहैया कराएगी। स्टालिन ने प्रत्येक प्रभावित परिवार को 10 लाख रुपये की सहायता राशि के अलावा मृतक के परिजनों को अतिरिक्त राहत उपायों की भी रूपरेखा पेश की। ऐसे उपायों में उन बच्चों के नाम पर 5 लाख रुपये की सावधि जमा शामिल है, जिन्होंने अपने माता-पिता, दोनों को खो दिया है। उन्होंने कहा, जब वे 18 वर्ष की आयु पूरी कर लेंगे, तो उन्हें ब्याज सहित राशि प्रदान की जाएगी।

पन्नीरसेल्वम के समर्थकों को छोड़कर, पलानीस्वामी सहित अन्नाद्रमुक के अन्य सदस्य और पीएमके विधायक काली शर्ट में देखे गए। जब अन्नाद्रमुक सदस्यों को सदन से बाहर निकाला गया, तब स्टालिन सदन में मौजूद नहीं थे।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण

(सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय)

जी-5 एवं 6, सेक्टर-10, द्वारका, नई दिल्ली-110075

31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए अंकेक्षित वित्तीय परिणाम

(सेबी परिपत्र सं. सेबी/एचओ/डीडीएचएस_डीआईवी1/सीआईआर/2022/0000000103 दिनांक 29 जुलाई, 2022 के अनुसार)

(रु. लाख में)

क्र. सं.	विवरण	समाप्त तिमाही		समाप्त वर्ष
		31 मार्च, 2023	31 मार्च, 2022	31 मार्च, 2022
		अंकेक्षित	अंकेक्षित	अंकेक्षित
1.	प्रचालनों से कुल आय*	मान्य नहीं	मान्य नहीं	मान्य नहीं
2.	अवधि के लिए शुद्ध लाभ/(हानि) (पिछली अवधि, कर, असाधारण एवं अथवा विशिष्ट मदों से पूर्व)	(27,724.41)	(23,779.84)	(58,787.86)
3.	कर पूर्व अवधि के लिए शुद्ध लाभ/(हानि) (असाधारण एवं अथवा विशिष्ट मदों के बाद)	(28,878.25)	(24,570.25)	(62,565.36)
4.	कर पश्चात् अवधि के लिए शुद्ध लाभ/(हानि) (असाधारण एवं अथवा विशिष्ट मदों के बाद)	(28,878.25)	(24,570.25)	(62,565.36)
5.	अवधि के लिए कुल व्यापक आय (अवधि के लिए लाभ/हानि (कर पश्चात्) तथा अन्य व्यापक आय (कर पश्चात्)**	(28,878.25)	(24,570.25)	(62,565.36)
6.	प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी (शेयरधारकों की निधि)***	49,532,132.03	33,659,587.67	33,659,587.67
7.	संचित कोष (पुनर्मूल्यांकन संचित कोष को छोड़कर)	-	-	-
8.	नेटवर्थ (6-7)	49,532,132.03	33,659,587.67	33,659,587.67
9.	प्रदत्त ऋण पूंजी/बकाया ऋण	34,311,423.55	34,890,723.63	34,890,723.63
10.	बकाया प्रतिदेय अधिमान्य शेयर्स	-	-	-
11.	ऋण इक्विटी अनुपात****	0.69	1.04	1.04
12.	प्रति शेयर अर्जन (प्रत्येक रु. ..... का) (निरंतरता एवं गैर-निरंतरता प्रचालनों हेतु)- 1. बेसिक 2. डायल्यूटेड	मान्य नहीं	मान्य नहीं	मान्य नहीं
13.	पूंजी विमोचन संचित कोष	-	-	-
14.	डिबेंचर विमोचन संचित कोष	-	-	-
15.	ऋण सेवा कवरेज अनुपात	मान्य नहीं	मान्य नहीं	मान्य नहीं
16.	ब्याज सेवा कवरेज अनुपात	मान्य नहीं	मान्य नहीं	मान्य नहीं

*प्राधिकरण के पास भारत सरकार की ओर से परिसंपत्तियां हैं, इसलिए संचालनों से कोई आय नहीं है।

**प्राधिकरण की लेखा नीति के आधार पर व्ययों को पूंजीकृत किया गया है।

***शेयरधारकों की निधि = पूंजी आधार, उप कर निधि, अतिरिक्त बजटीय समर्थन, इनवीट से आय, टोल प्लाजा के रखरखाव व्यय तथा रिज़र्व और अधिशेष/लाभ एवं हानि खाते के बकाया ऋण की कटौती के पश्चात जमा टोल की वापसी के बाद की कुल राशि।

****ऋण इक्विटी अनुपात = बकाया ऋण/शेयरधारकों की निधि।

क) उपरोक्त विवरण एलओडीआर नियम के विनियम 52 के तहत स्टॉक एक्सचेंजों में दर्ज तिमाही/वार्षिक वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का सारांश है। तिमाही/वार्षिक वित्तीय परिणामों का पूर्ण प्रारूप बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज एवं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइटों (**www.bseindia.com** एवं **www.nse.india.com**) तथा भा.रा.रा.प्रा. की वेबसाइट (**www.nhai.gov.in**) पर उपलब्ध है।

ख) एलओडीआर नियम के विनियम 52(4) में संदर्भित अन्य लाइन मदों के लिए बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज एवं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज को उचित उद्घोषणा कर दी गई है तथा जो वेबसाइटों (**www.bseindia.com** एवं **www.nse.india.com**) पर देखी जा सकती है।

दिनांक : 21.06.2024
स्थान : नई दिल्ली

प्राधिकरण के बोर्ड के लिए एवं की ओर से
ह./-
सदस्य (वित्त)
ह./-
अध्यक्ष

सड़कें ही नहीं, राष्ट्र का निर्माण भी

airads

भारत सरकार
सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय
दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग

पं. दीनदयाल अंत्योदय भवन, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली

सत्यमेव जयते

वर्ष 2024 के लिए दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए 'ऑनलाइन' माध्यम से आवेदन आमंत्रित करना

दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए वर्ष 2024 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए केवल गृह मंत्रालय द्वारा डिजाइन किए गए पासवर्ड संरक्षित केंद्रीकृत पोर्टल (**www.awards.gov.in**), जो 15 जून, 2024 से 31 जुलाई, 2024 तक खुला (ओपन) है, पर **ऑनलाइन मोड के माध्यम से** आवेदन / नामांकन आमंत्रित किए जाते हैं। इन राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए फिजिकल रूप में प्राप्त आवेदनों को स्वीकार / आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।

नामांकन में उपर्युक्त पोर्टल पर उपलब्ध प्रारूप में विनिर्दिष्ट सभी प्रासंगिक विवरण होने चाहिए, जिसमें विवरणात्मक रूप में स्पष्ट रूप से उल्लेखनीय और प्रेरणादायक उपलब्धियों को सामने लाना शामिल है।

दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए सरलीकृत और युक्तिसंगत दिशानिर्देश, पात्रता मानदंड और अन्य ब्यौरे विभाग की वेबसाइट (**www.depwd.gov.in**) के साथ-साथ **पुरस्कार पोर्टल** (**www.awards.gov.in**) पर उपलब्ध हैं।

पुरस्कार की प्रत्येक श्रेणी के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार और पात्रता निम्नानुसार है:

I. व्यक्तिगत उत्कृष्टता के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार

क्र.सं.	पुरस्कार और पात्रता की श्रेणी	पुरस्कारों की संख्या
1.	**(i) सर्वश्रेष्ठ दिव्यांगजन** (किसी भी क्षेत्र या गतिविधि से संबंधित अर्थात् शिक्षा/स्वास्थ्य/रोजगार/कला और संस्कृति/ खेल/रचनात्मक कार्य /दिव्यांगजन सशक्तिकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य सामाजिक सेवा आदि -एक रोल मॉडल) आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम के तहत 21 विनिर्दिष्ट दिव्यांगताओं में से किसी भी एक दिव्यांगता से ग्रस्त सभी दिव्यांगजनों के लिए खुला।	06 (पुरुषों के लिए 03 और महिलाओं के लिए 03) पुरस्कार का नकद घटक: प्रत्येक को 2.00 लाख रुपये
2.	**(ii) श्रेष्ठ दिव्यांगजन** **क.** लोकोमोटर दिव्यांगता - (लोकोमोटर, मस्कुलर डिस्ट्रोफी दिव्यांगता, बौनापन, एसिड अटैक पीड़ित, कुष्ठ रोग उपचारित, सेरेब्रल पाल्सी) **ख.** दृष्टि बाधिता - (अंधापन, कम दृष्टि) **ग.** श्रवण बाधिता - (बधिर, कम सुनने वाला, वाक् और भाषा दिव्यांगता) **घ.** बौद्धिक दिव्यांगता - (मानसिक मंदता, मानसिक व्यवहार, विशिष्ट अधिगमदिव्यांगता, ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार) **ड.** ऊपर क्र.सं. (क) से (घ) तक वर्णित दिव्यांगताओं को छोड़कर कोई भी विनिर्दिष्ट दिव्यांगता (विकासात्मक विकार, रक्त विकार, हीमोफिलिया, थैलेसीमिया, सिक्कल सेल रोग, क्रोनिक न्यूरोलॉजिकल स्थितियां, मल्टीपल स्केलेरोसिस, पार्किंसंस रोग, बहुदिव्यांगता के कारण होने वाली दिव्यांगता) तथापि, यदि इनमें से किसी एक या अधिक उप-श्रेणियों में उपयुक्त व्यक्ति नहीं पाया जाता है, तो पुरस्कार अन्य उप-श्रेणियों में अतिरिक्त व्यक्तियों को दिए जा सकते हैं। (इस श्रेणी में पुरस्कार रोजगार / स्व-रोजगार, स्वास्थ्य / खेल, कला, संस्कृति, ड्राइंग, पेंटिंग, संगीत, या किसी अन्य प्रकार के रचनात्मक कार्य, दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य आदि के लिए दिए जाते हैं)	10 (पांच श्रेणियों (क) से (ड़) में से प्रत्येक में पुरुषों के लिए 1 और महिलाओं के लिए 1) पुरस्कार का नकद घटक: 1.00 लाख रुपये
	(iii) श्रेष्ठ दिव्यांग बाल/बालिका (18 वर्ष की आयु तक के दिव्यांग बच्चे) (आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम के तहत विनिर्दिष्ट दिव्यांगता की किसी भी श्रेणी में) - (कला और संस्कृति, ड्राइंग, पेंटिंग, संगीत, या किसी अन्य प्रकार के रचनात्मक कार्य आदि के क्षेत्र में)	2 (बालक के लिए 1 और बालिका के लिए 1) पुरस्कार का नकद घटक: 1.00 लाख रुपये
3.	**(iv) दिव्यांगजनों के लिए कार्यरत श्रेष्ठ व्यक्ति**	1 पुरस्कार पुरस्कार का नकद घटक: 1.00 लाख रुपये
	(v) दिव्यांगता के क्षेत्र में श्रेष्ठ पुनर्वास पेशेवर	1 पुरस्कार पुरस्कार का नकद घटक: 1.00 लाख रुपये
	(vi) दिव्यांगता के क्षेत्र में श्रेष्ठ अनुसन्धान/नवप्रवर्तन/उत्पाद विकास	1 पुरस्कार पुरस्कार का नकद घटक: 1.00 लाख रुपये

II. दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए कार्यरत संस्थानों हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार

क्र.सं.	पुरस्कार और पात्रता की श्रेणी	पुरस्कारों की संख्या कोई नकद घटक नहीं (केवल शील्ड और प्रमाण पत्र)
1.	दिव्यांगजन सशक्तिकरण हेतु सर्वश्रेष्ठ संस्थान (निजी संगठन, गैर सरकारी संगठन)	व्यापक पुनर्वास सेवाएं प्रदान करने के लिए 01 पुरस्कार समावेशी शिक्षा के लिए(समावेशी शिक्षा प्रदान करने या बढ़ावा देने वाले संस्थान) - 01 पुरस्कार
2.	दिव्यांगजनों के लिए सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता (सरकारी संगठन / सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम / स्वायत्त निकाय/निजी क्षेत्र)	1 पुरस्कार
3.	दिव्यांगजनों के लिए सर्वश्रेष्ठ प्लेसमेंट एजेंसी - केंद्र सरकार / राज्य सरकार / स्थानीय निकायों को छोड़कर	1 पुरस्कार
4.	सुगम्य भारत अभियान के कार्यान्वयन / बाधामुक्त वातावरण के सृजन में सर्वश्रेष्ठ राज्य / संघ राज्य क्षेत्र / जिला	1 पुरस्कार
5.	सर्वश्रेष्ठ सुगम्य यातायात के साधन / सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी सरकारी / निजी संगठन	1 पुरस्कार
6.	दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम / विशिष्ट दिव्यांगता पहचान पत्र एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण की अन्य योजनाओं के कार्यान्वय में सर्वश्रेष्ठ राज्य / संघ राज्य क्षेत्र / जिला	1 पुरस्कार राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के लिए और 1 पुरस्कार जिले के लिए
7.	अपने राज्य / संघ राज्य क्षेत्र में दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम कार्यान्वयन में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्य दिव्यांगजन आयुक्त	1 पुरस्कार
8.	पुनर्वास सेवाओं हेतु पेशेवर तैयार करने वाली सर्वश्रेष्ठ संस्थान	1 पुरस्कार

CBC 38117/11/0002/2425

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा योग स्वयं के लिए और समाज के लिए का संकल्प दिलाया

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर राज्यपाल मुख्य समारोह में सम्मिलित हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर शुक्रवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय योग समारोह में उपस्थित जनों को योग स्वयं के लिए और समाज के लिए का संकल्प दिलाया। संकल्प में उन्होंने सभी के सुखी होने, सभी के निरोग रहने और राष्ट्र और समाज के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान किया। इससे पहले उन्होंने सामूहिक समारोह में सभी के साथ योग आसन और प्राणायाम क्रियाएं भी की।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर राज्य के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने सबके साथ योग करते हुए स्वस्थ जीवन का संदेश दिया। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने भी सबके साथ सामूहिक योग और प्राणायाम किया।

राज्य स्तरीय समारोह में उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा सहित अन्य मंत्रियों और विधायकों, जन प्रतिनिधियों, मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित विभिन्न विभागों के उच्चाधिकारियों, गणमान्य जनों और आम जन ने योग, प्राणायाम आदि के आसन किए। आरंभ में राज्यपाल मिश्र के समारोह स्थल पहुंचने पर मुख्यमंत्री शर्मा और विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने उनका पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया।

स्वस्थ जीवन शैली में योग की अहम भूमिका : भजनलाल

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने स्वस्थ जीवन शैली और आदर्श समाज की स्थापना में योग की अहम भूमिका बताते हुए कहा है कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा और सार्थक पहल से योग विद्या वैश्विक पटल पर एक बार पुनः लोकप्रिय हुई है तथा उन्होंने योग के माध्यम से भारतीय संस्कृति को दुनिया के कोने-कोने में पहुंचाया है। शर्मा दसवें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर शुक्रवार को एसएमएस स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि योग हमारे प्राचीन ऋषि मुनियों का मानवता को दिया गया अनमोल वरदान है। स्वस्थ जीवन शैली और आदर्श समाज की स्थापना में योग की अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं है बल्कि शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ रहने की जीवन शैली है।आयुर्वेद विभाग के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में योग गुरु कुलभूषण बैराठी और मेघ सिंह ने मुख्यमंत्री, विधानसभाध्यक्ष, उपमुख्यमंत्री, राज्य मंत्रिपरिषद के सदस्यों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं छात्र-छात्राओं सहित प्रतिभागियों को विभिन्न योगासनों का अभ्यास कराया। प्रतिभागियों ने लगभग 45 मिनट तक ताड़ासन, अर्धचक्रासन, दंडासन, वज्रासन, उत्तानमंडूकासन, मकरासन, भुजंगासन, शलभासन, पवनमुक्तासन जैसे आसनों सहित कपालभाति, अनुलोम-विलोम तथा भ्रामरी जैसे प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास किया।

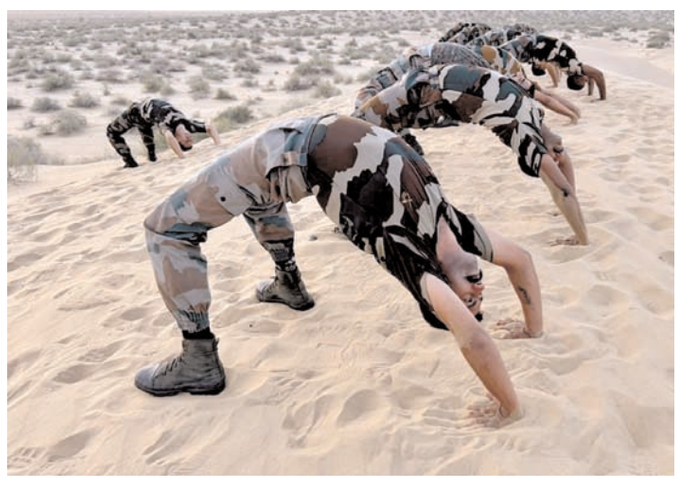

स्वस्थ जीवन शैली में योग की अहम भूमिका प्रधानमंत्री की पहल से विश्व में योग हुआ लोकप्रिय : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। 10वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर शुक्रवार को एसएमएस स्टेडियम में राज्य स्तरीय समारोह आयोजित किया गया। आयुर्वेद विभाग की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, विद्यार्थियों एवं बड़ी संख्या में योग प्रेमियों ने भाग लिया। समारोह में राज्यपाल कलराज मिश्र, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी एवं उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा की भी गरीमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि योग हमारे प्राचीन ऋषि मुनियों का मानवता को दिया गया अनमोल वरदान है। स्वस्थ जीवन शैली और आदर्श समाज की स्थापना में योग की अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा और सार्थक पहल से योग विद्या वैश्विक पटल पर एक बार पुनः लोकप्रिय हुई है। मोदी ने योग के माध्यम से भारतीय संस्कृति को दुनिया के कोने-कोने में पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं है, बल्कि शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ रहने की जीवन शैली है। मुख्यमंत्री ने आह्वान किया कि प्रत्येक नागरिक अपने जीवन में योग को अपनाकर स्वस्थ एवं मस्त रहें।

चिकित्सा मंत्री ने आरयूएचएस परिसर में आयोजित कार्यक्रम में किया योगाभ्यास

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित योग शिविर में भाग लिया। खींवसर ने यहां योग प्रशिक्षकों के निर्देशन में विभिन्न योग क्रियाएं कीं।

खींवसर ने इस दौरान मीडिया से बातचीत में कहा कि योग दुनिया को भारत की अमूल्य देन है। हमारे देश में ऋषि-मुनियों ने योग क्रियाओं के माध्यम से स्वस्थ जीवन का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से पूरी दुनिया ने योग के महत्व को समझा है। चिकित्सा मंत्री ने कहा कि प्राणायाम, ध्यान, योग एवं आसन आदि से हमारी आंतरिक शक्ति मजबूत होती है और ऊर्जा का संचार होता है। हर व्यक्ति को स्वस्थ एवं निरोगी जीवन के लिए योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए।

योग शरीर और मन को स्वस्थ्य रखने के लिए आवश्यक

दसवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस शुक्रवार को टोंक जिले में उत्साह के साथ मनाया गया। जलदाय मंत्री कन्हैया लाल चौधरी ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से आज विश्व में योग को अपनाया गया है। योग शरीर और मन को स्वस्थ्य रखने के लिए आवश्यक है। योग करने से मन प्रसन्नचित एवं शरीर कई रोगों से मुक्त रहता है। इसलिए सभी को अपने जीवन में योग को शामिल करना चाहिए। चौधरी ने पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित जिला स्तरीय योग दिवस समारोह में उपस्थित आमजन को योग करने के लिए प्रेरित किया।

इस दौरान कार्यक्रम में योग दिवस के संबंध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदेश का वाचन किया गया तथा नागरिकों को स्वस्थ जीवन शैली के लिए योग के लाभ की जानकारी प्रदान की गई। जिला प्रशासन व आयुर्वेद विभाग के संयुक्त तत्वावधान में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन पुलिस परेड ग्राउंड प्रातः7 बजे से 8 बजे तक किया गया, जिसमें आयुर्वेद विभाग के योग प्रशिक्षकों ने उपस्थित आमजन को योग के विभिन्न आसनों की जानकारी देते हुए योगाभ्यास करवाया।

समापन के पश्चात योग टीम को अल्ट्रा सीमेंट एवं व्यापार महासंघ के द्वारा 2100 रुपये की राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया। योग दिवस के जिला स्तरीय कार्यक्रम में जिला प्रमुख सरोज बंसल,टोंक जिला कलेक्टर डॉ. सौम्या झा, पुलिस अधीक्षक संजीन नैन, पूर्व विधायक अजीत सिंह मेहता समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी, पुलिस के जवान सहित बड़ी संख्या में आमजन, महिलाएं व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

योग, प्राणायाम को दिनचर्या का हिस्सा बनाएं : मेघवाल

केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल ने आमजन से योग और प्राणायाम को दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया है। मेघवाल ने दसवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शुक्रवार को सुबह रेलवे स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में योगाभ्यास करने के बाद समारोह में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर 10 वर्ष पहले योग दिवस मनाया जाना शुरू हुआ। दुनिया के 174 देशों ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया। आज दुनिया भर में यह उत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि योग और प्राणायाम मनुष्य के मानसिक और शारीरिक विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि बीकानेर की रेल फाटकों की समस्या का जल्द ही समाधान करवाया जायेगा। इसके लिये रूपरेखा निर्धारित की जा चुकी है। उन्होंने स्टेशन परिसर में हुये चरणबद्ध विकास कार्यों की जानकारी दी और कहा कि आने वाले समय में यह स्टेशन 'मॉडल' स्टेशन के तौर पर विकसित होगा।

विश्वविद्यालय श्रेष्ठ छात्र ही नहीं अपितु भावी नागरिक भी समाज को दें : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति कलराज मिश्र ने कहा है कि विश्वविद्यालय श्रेष्ठ छात्र ही नही अपितु भावी नागरिक भी समाज को दें, जो अपने ज्ञान का उपयोग देश की समृद्धि और संपन्नता के लिए करें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी विशाल हृदयी बनें और संकल्प ले की वे स्वयं अपने लिए ही नहीं प्राणी मात्र के लिए भी कार्य करेंगे। उन्होंने संविधान को सर्वोच्च बताते हुए अधिकारों के साथ कर्तव्यों के प्रति भी जागरूक रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वैश्वीकरण के इस दौर में विद्यार्थी भविष्य की चुनौतियों को ध्यान में रखकर विज्ञान, अभियान्त्रिकी कला, साहित्य, संस्कृति, मीडिया एवं तकनीकी विषयों में विशेष ज्ञान प्राप्त करें।

राज्यपाल मिश्र शुक्रवार को जोधपुर स्थित जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के 20वें दीक्षांत समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारे विश्वविद्यालय उत्कृष्ट और सर्वोच्च ज्ञान के केन्द्र बनें। जीवन में असली ज्ञान तत्व, आपकी सतत प्रगति, मेहनत और प्रतिबद्धता में ही निहित है, जो जितना तपेगा उतना ही निखरेगा। साथ ही, उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा के ऐसे केंद्र बनें, जहां जीवन व्यवहार की शिक्षा मिलें। जिससे जीवन आलोक पथ पर निरंतर अग्रसर रहे।

मिश्र ने कहा कि विश्वविद्यालय का यह दीक्षांत समारोह महत्वपूर्ण है क्योंकि इसका आयोजन आज अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर हो रहा है। उन्होंने कहा कि योग भारत की वह महान परम्परा है, जिसने हमारे देश को कभी विश्वगुरू के रूप में पहचान दिलाई थी। आदर्श जीवन शैली के लिए यह आज भी महत्वपूर्ण है क्योंकि योग द्वारा हम स्वस्थ तन और स्वस्थ मन की ओर अग्रसर होते हैं।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में पुस्तकीय ज्ञान के साथ ही विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा में व्यावसायिक एवं जीवन कौशल शिक्षा के व्यावहारिक पाठ्यक्रमों पर जोर दिया गया है।

जयपुर और अलवर समेत इन 7 जिलों में तेज बरसात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में प्री मानसून की एक्टिविटी लगातार दूसरे दिन जारी रही। जयपुर, कोटा, नागौर, अलवर, चित्तौड़गढ़, सवाई माधोपुर और टोंक जिले में तेज हवा के साथ बारिश हुई। बारिश के बाद मौसम सुहावना हो गया और लोगों को गर्मी से राहत मिली। राजस्थान के अधिकांश हिस्सों में बादल छाए हुए है। तेज हवाएं चल रही है। झालावाड़ जिले में शुक्रवार सुबह करीब 9 बजे से शहर समेत कई क्षेत्रों में सीजन की पहली मूसलाधार बरसात हुई। इससे गर्मी व उसम से लोगों को राहत मिली और मौसम खुशगवार हो गया। सुबह काली घटाएं छाई और बादलों की गड़गड़ाहट के साथ बरसात शुरू हो गई।

हालांकि शहर में रिमझिम ही बरसात हुई, लेकिन जिले के सुनेल, खानपुर, सोजपुर, झालरापाटन, चौमहला, पिड़ावा, भवानीमंडी सहित कई क्षेत्रों में जमकर बादल बरसे।इससे पहले इससे पहले सुबह 11 बजे बादल छाए। तेज अंधड़ चला। इसे कहीं इलाकों में पेड़ गिर गए। उसके बाद तेज गर्जना के साथ बारिश का दौर शुरू हुआ। बारिश का दोपहर 1:30 बजे तक चलती रही। झमाझम बारिश होने से शहर की कई कॉलोनी में पानी भर गया।

मौसम विभाग के अनुसार कोटा और उदयपुर संभाग में 22 और 23 जून को भी बारिश की गतिविधियां जारी रहेंगी। दक्षिणी पूर्वी राजस्थान के कुछ भागों में 24 जून से बारिश की गतिविधियों में और बढ़ोतरी होने की संभावना है।

नीट परीक्षा : राजस्थान कांग्रेस ने कथित अनियमितताओं के खिलाफ किया विरोध प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस ने नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं से प्रभावित छात्रों के लिए न्याय की मांग करते हुये शुक्रवार को यहां विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट सर्किल पर एकत्र हुए और विरोध प्रदर्शन किया तथा केंद्र से इस मामले में चुप्पी तोड़ने के लिये कहा। पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा, सभी जानते हैं कि नीट परीक्षा में भ्रष्टाचार हुआ है। लेकिन केंद्र परीक्षा रद्द नहीं कर रहा है।

डोटासरा ने कहा, इस परीक्षा में अभ्यर्थियों को कृपांक क्यों दिए गए और कुछ अभ्यर्थियों को चयनित परीक्षा केंद्र क्यों दिए गए, जैसे प्रश्न अनुत्तरित हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने इस परीक्षा के संबंध में चुप्पी साध रखी हैं, जबकि गुजरात और बिहार पुलिस ने पेपर लीक मानकर कई अभ्यर्थियों को गिरफ्तार कर मामला दर्ज किया है।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार लाखों छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है, जिसको लेकर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर देशभर में विरोध प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल ने कहा कि लाखों छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ और अन्याय किया गया। कांग्रेस नेता ने परीक्षा रद्द करने की मांग की, कहा, कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर सड़क से संसद तक लड़ेगी। परीक्षा रद्द की जानी चाहिए।

असम को 'बाढ़ मुक्त राज्य' बनाने का वादा कर विश्वासघात किया गया : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने असम में बाढ़ की गंभीर स्थिति पर चिंता जताते हुए शुक्रवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने पूर्वोत्तर के इस प्रदेश को बाढ़ मुक्त बनाने का वादा किया, लेकिन राज्य की जनता के साथ विश्वासघात किया गया। उन्होंने दावा किया कि मोदी सरकार ने पिछले 10 वर्षों में हर मुद्दे पर झूठ, फरेब और विश्वासघात की राजनीति की है।

असम में बाढ़ की स्थिति शुक्रवार को भी गंभीर बनी हुई है और प्रमुख नदियों में पानी खतरे के निशान से ऊपर बह रहा है। अधिकारियों ने बताया कि बाढ़ से विभिन्न जिलों के चार लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं।

खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर है। 15 जिलों में लाखों लोग प्रभावित हैं और अब तक 36 लोगों की जान जा चुकी है। कांग्रेस पार्टी असम के लोगों के साथ एकजुटता से खड़ी है। पीड़ितों के परिवारों के प्रति हमारी हार्दिक संवेदना। हम उम्मीद करते हैं कि मोदी सरकार और असम सरकार प्रभावित लोगों को शीघ्र सहायता, राहत और मुआवजा प्रदान करेंगी।'' उन्होंने आरोप लगाया कि असम को ''बाढ़ मुक्त राज्य'' बनाने के ''डबल इंजन'' सरकार के वादे के जरिये राज्य के लोगों के साथ पूरी तरह विश्वासघात किया गया है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया, ''पिछले 10 वर्षों में हर मुद्दे पर मोदी सरकार ने केवल झूठ, फरेब और विश्वासघात की राजनीति की है।''

खरगे ने कहा कि भाजपा के कारण भारत को नुकसान हुआ है।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने भी असम में बाढ़ की स्थिति को लेकर चिंता जताई। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''असम में आई बाढ़ से जनजीवन बुरी तरह अस्त-व्यस्त होने की खबरें हैं। अब तक इस आपदा में 36 लोगों की मृत्यु का समाचार दुखद है।

अयोध्या और प्रयागराज में बनेंगे अतिथि गृह

लखनऊ/भाषा। अयोध्या और प्रयागराज में राज्य सरकार अतिथि गृहों का निर्माण करेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को दोनों अतिथि गृहों के निर्माण स्थल, ले-आउट, सुविधाओं और साज-सज्जा आदि के संबंध में प्रस्तुतीकरण का अवलोकन किया। एक बयान के मुताबिक, राज्य संपत्ति विभाग के अधिकारियों के साथ हुई इस बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि राम मंदिर के निर्माण के बाद अयोध्या में राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और राज्यपालों सहित देश-दुनिया से अनेक विशिष्ट-अति विशिष्ट अतिथियों का आगमन हो रहा है जिनकी सुरक्षा व सुविधा के लिए उत्कृष्ट मानकों वाले अतिथि गृह की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार प्रयागराज में गणमान्य जनों के बेहतर आतिथ्य के लिए सभी सुविधाओं से लैस अतिथि गृह बनाया जाना आवश्यक है तथा इसके लिए प्रक्रिया यथाशीघ्र शुरू की जाए।

योग भारत का गौरव : राजनाथ सिंह

विश्व हमारी सांस्कृतिक विरासत को उत्साह के साथ अपना रहा है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मथुरा (उप्र)/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को 10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर यहां स्ट्राइक 1 कोर मुख्यालय के प्रशिक्षण केंद्र में सैन्य कर्मियों के साथ योग कार्यक्रम में भाग लिया।

इस कार्यक्रम में सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे और स्ट्राईक 1 कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल संजय मित्रा के साथ वरिष्ठ अधिकारियों, अग्निवीरों, सैन्य कर्मियों के परिवारों और बच्चों सहित करीब 600 लोग शामिल हुए।

सिंह ने इस दिन को राष्ट्र के लिए गर्व का विषय बताते हुए कहा कि दुनिया भारत की इस महान सांस्कृतिक विरासत को उत्साह के साथ स्वीकार कर रही है। उन्होंने योग को दुनिया तक पहुंचाने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दिया।

रक्षा मंत्री ने कहा, योग और ध्यान हमारी संस्कृति का हिस्सा है, जो हमेशा 'सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे संतु निरामया' की भावना रखता है। यानि हम सभी की खुशी और अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करते हैं। हम विश्व के कल्याण के लिए प्रार्थना करते हैं। उन्होंने कहा, यह हमारी सभ्यता की विशेषता है। हम सभ्यताओं के टकराव के बजाय सहयोग में विश्वास करते हैं।

सिंह ने कहा कि हर भारतीय सैनिक एक तरह से योगी है तथा दुनिया ने कई बार देश के सैनिकों की शारीरिक और मानसिक तंदुरुस्ती देखी है। उन्होंने कहा कि केवल सीमाओं पर ही नहीं, बल्कि आपदाओं के दौरान राष्ट्र के लिए सैनिकों की सेवा उनके मजबूत शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का प्रमाण है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत विस्तारवादी व साम्राज्यवादी नीतियों के खिलाफ है, लेकिन किसी भी तरह से उसकी संप्रभुता को खतरा होता है तो भारत कड़ा जवाब देने में पूरी तरह सक्षम है।

योगाभ्यास के पश्चात राजनाथ सिंह ने वृन्दावन पहुंचकर ठा. बांकेबिहारी के दर्शन किए व देश की अखण्डता, एकता व सलामती के लिए ईश्वर से कामना की।

आरएसएस प्रमुख ने झारखंड में स्वयंसेवकों का प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया

रांची/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने झारखंड के बोकारो जिले में संगठन के स्वयंसेवकों के लिए एक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया।

संगठन के एक पदाधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि भागवत ने चरित्र निर्माण, अच्छा नागरिक कैसे बनें और राष्ट्र, पर्यावरण तथा समाज के प्रति एक स्वयंसेवक का दृष्टिकोण क्या होना चाहिए जैसे विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिया। सत्र के लिए 19 जून को झारखंड पहुंचे भागवत 22 जून तक रहेंगे। आरएसएस के पदाधिकारी संजय कुमार आजाद ने बताया कि 20 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में झारखंड और बिहार के कुल 409 स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं जो 26 जून को समाप्त होगा। प्रशिक्षण सत्र के लिए बोकारो प्रशासन की ओर से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों से विश्व ने योग को आत्मसात किया : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

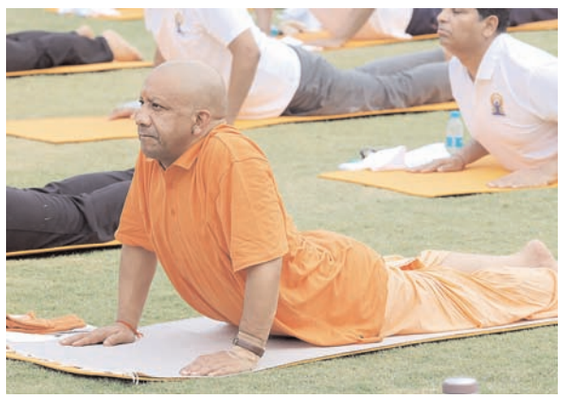

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों की वजह से इस विश्व ने योग को आत्मसात किया है। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को राजभवन के प्रांगण में आयोजित योग कार्यक्रम में सैकड़ों लोगों के साथ शामिल हुए और योग किया।

राजभवन के प्रांगण में योगाभ्यास के लिए एकत्रित हुए लोगों को संबोधित करते हुए राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस वास्तव में नये प्रोत्साहन का दिवस है। यह दिवस हमें हमारी परंपराओं पर गर्व करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, योग मानवता के अनुकूल है, जो देश, समाज, काल परिस्थितियों से बाधित होकर भी संपूर्ण मानवता के कल्याण के मार्ग को प्रशस्त करता है। इस कार्य के साथ यदि हम जुड़ते हैं और संपूर्ण मानवता को जोड़ते हैं तो यह पूर्वजों और विरासत के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धा कही जाएगी।

इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगान के साथ हुई और फिर राजभवन गीत का प्रस्तुतिकरण किया गया। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने राज्यपाल और मुख्यमंत्री को तुलसी का पौधा देकर उनका अभिनंदन किया।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, यह हम सबका सौभाग्य है कि योग दिवस के अवसर पर हम अपनी विरासत का स्मरण करते हुए भारत की ऋषि परंपरा के प्रति श्रद्धा व्यक्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा, यह अवसर हमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रदान किया है, उनके दृष्टिकोण और प्रयासों का परिणाम है कि आज दुनिया के लगभग पौने दो सौ देश अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर भारत की इस विरासत के साथ खुद को जोड़कर हमारी संस्कृति और परंपरा को गौरवान्वित कर रहे हैं।

ओडिशा कांग्रेस प्रमुख पर भुवनेश्वर में पार्टी मुख्यालय में स्याही फेंकी गई

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शरत पटनायक पर यहां पार्टी मुख्यालय में शुक्रवार को दो अज्ञात व्यक्तियों ने कथित तौर पर स्याही फेंकी। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि घटना पूर्वाह्न करीब साढ़े 11 बजे उस समय हुई, जब दो नकाबपोश आरोपी यहां कांग्रेस भवन में पटनायक के कक्ष में घुसे और उनके कपड़ों पर नीली स्याही फेंक दी। पटनायक ने संवाददाताओं से कहा, '' मैं इस घटना से डरने वाला नहीं हूं। राज्य में कांग्रेस के बढ़ते कद से ईर्ष्या करने वाले लोग इस घटना के पीछे हैं। '' कांग्रेस नेता बाद में राष्ट्रीय पात्रता एवं प्रवेश परीक्षा (नीट)- स्नातक (यूजी) 2024 में कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के विरोध में यहां मास्टर कैंटीन स्क्वायर में एक कार्यक्रम में शामिल हुए।

भाजपा के राज में 'पेपर लीक' राष्ट्रीय समस्या बन गया है : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी के शासन में 'पेपर लीक' होना राष्ट्रीय समस्या बन गया है और सत्तारूढ़ पार्टी का भ्रष्टाचार देश को कमजोर कर रहा है।

प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''देश में पिछले 5 सालों में 43 भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक हुए हैं। भाजपा राज में पेपर लीक हमारे देश की राष्ट्रीय समस्या बन गया है जिसने अब तक करोड़ों युवाओं का भविष्य बर्बाद कर दिया है।'' उन्होंने कहा, ''भारत दुनिया का सबसे युवा देश है। सबसे ज्यादा युवा आबादी हमारे पास है। भाजपा की सरकार हमारे इन युवाओं को कुशल और सक्षम बनाने की जगह उन्हें कमजोर बना रही है।''

कांग्रेस नेता ने कहा, ''करोड़ों होनहार छात्र दिन-रात मेहनत से पढ़ाई करते हैं, अलग-अलग परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, माता-पिता, तन-पेट काटकर पढ़ाई का बोझ उठाते हैं। बच्चे सालों तक रिक्तियां आने का इंतजार करते हैं। भर्ती आती है तो फॉर्म भरने का खर्चा, परीक्षा देने जाने का खर्चा, और अंत में सारा प्रयत्न भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता है।''

असम में बाढ़ से चार लाख से अधिक लोग प्रभावित

गुवाहाटी/भाषा। असम में बाढ़ की स्थिति शुक्रवार को भी गंभीर बनी है और प्रमुख नदियों में पानी खतरे के निशान से ऊपर बह रहा है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि बाढ़ से विभिन्न जिलों के चार लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। बृहस्पतिवार की शाम तक की खबरों के अनुसार, राज्य की कोपिली, बराक और कुशियारा जैसी कुछ प्रमुख नदियां खतरे के निशान से उपर बह रहीं हैं। अधिकारियों ने बताया कि 19 जिलों ... बालाजी, बक्सा, बारपेटा, बिस्वनाथ, कछार, दरांग, गोलपाड़ा, हैलाकांडी, होजाई, कामरूप, करीमगंज, कोकराझार, लखीमपुर, नागांव, नलबाड़ी, सोनितपुर, दक्षिण सलमारा, तामुलपुर और उदलगुरी में चार लाख से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। राज्य में पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण बाढ़ आई है। असम के अधिकांश हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश के आसार हैं और अगले कुछ दिनों में राज्य के कुछ स्थानों पर बादलों की गरज तथा बिजली की चमक के साथ बौछारें पड़ने का अनुमान है। अधिकारी ने बताया कि करीमगंज में सबसे ज्यादा 2.5 लाख से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं।

ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री मोदी से कहा

'तीन नये आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन को टाल दें'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर 'हड़बड़ी में पारित' तीन नये आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन को टालने का आग्रह किया है। ये तीनों कानून एक जुलाई से लागू होने हैं। ममता ने आपराधिक कानूनों की नये सिरे से संसदीय समीक्षा पर जोर दिया।

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ने मोदी को लिखे पत्र में तीनों कानूनों के आसन्न कार्यान्वयन को लेकर गंभीर चिंता जतायी।

ये तीन नये कानून हैं, भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023।

सूत्रों के मुताबिक, टीएमसी प्रमुख ने बृहस्पतिवार को वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी चिदंबरम से भी मुलाकात की, जो विधेयकों की जांच करने वाली संसद की स्थायी समिति का हिस्सा थे, और उनसे इस मुद्दे पर चर्चा की। टीएमसी नेता डेरेक ओ'ब्रायन, द्रमुक नेता एनआर एलंगो और चिदंबरम ने तीनों विधेयकों पर अपनी रिपोर्ट में असहमति जताई थी। ममता ने कहा कि ये तीनों विधेयक लोकसभा में ऐसे समय में पारित हुए, जब 146 सांसद सदन से निलंबित थे। ममता ने कहा, ''आपकी पिछली सरकार ने इन तीन महत्वपूर्ण विधेयकों को एकतरफा और बिना किसी बहस के पारित कर दिया था।

नीट मामले के आरोपियों के राजद से संबंधों की सीबीआई जांच की मांग करेंगे : विजय सिन्हा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने शुक्रवार को कहा कि वह नीट पेपर लीक मामले में गिरफ्तार आरोपी के तेजस्वी यादव से जुड़े अधिकारियों के साथ संदिग्ध संबंधों की जांच सीबीआई से कराने के लिये मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात करेंगे । इस पर पलटवार करते हुए राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता यादव ने कहा कि केंद्र व राज्य में सरकारें राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की हैं और सभी एजेंसियां उनके तहत आती हैं और वे उनके सहायक को बुलाकर पूछताछ कर लें।

उपमुख्यमंत्री सिन्हा ने बृहस्पतिवार को दावा किया था कि यादव से जुड़ा एक अधिकारी राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) 2024 के कथित पेपर लीक मामले में बिहार पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए मुख्य आरोपी सिकंदर प्रसाद यादवेंदु के साथ लगातार संपर्क में था। उन्होंने राजद नेता से जुड़े अधिकारी और मुख्य आरोपी के बीच संबंधों की उच्च स्तरीय जांच की मांग की थी।

सिन्हा ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''सीबीआई जैसी किसी भी स्वतंत्र एजेंसी से जांच की सिफारिश करना मुख्यमंत्री का विशेषाधिकार है। हम उनसे मिलेंगे और उनसे नीट पेपर लीक मामले में गिरफ्तार मुख्य आरोपी का राजद नेता तेजस्वी यादव से जुड़े एक अधिकारी के साथ संदिग्ध संबंध को लेकर आवश्यक कार्रवाई करने का आग्रह करेंगे।'' उन्होंने कहा कि वह मुख्यमंत्री को अवगत कराएंगे और सीबीआई सहित उच्च स्तरीय जांच का अनुरोध करेंगे।

दूसरी ओर, पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को पीटीआई वीडियो'' से बातचीत के दौरान कहा कि राज्य में सरकार उनकी, केंद्र में सरकार उनकी, जांच एजेंसियां उनकी। उन्होंने कहा, हम मुख्यमंत्री जी से कहते हैं कि वह मेरे सहायक को बुलाएं और पूछताछ कर लें।

यादव ने कहा कि जब मई में गिरफ्तारी हुई थी तब से वह आवाज उठा रहे हैं कि कार्रवाई करनी चाहिए। यादव ने आरोप लगाया कि ये लोग (सरकार) पेपर लीक के सरगना के जरिए मुद्दे से ध्यान भटकाना चाहते हैं। पूर्व उपमुख्यमंत्री ने पूछा कि अमित आनंद और नीतीश कुमार कौन लोग हैं तथा ये लोग (सरकार) इन्हें क्यों बचाना चाहते हैं?

ईओयू ने पिछले महीने नीट परीक्षा 2024 में कथित पेपर लीक की जांच के तहत समेत 13 लोगों को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार आरोपियों में परीक्षार्थी, उनके माता-पिता और अमित आनंद, नीतीश कुमार तथा कथित मास्टरमाइंड सिकंदर प्रसाद यादवेंदु शामिल है। वहीं, सिन्हा ने अपने कल के दावों के बारे में कहा, ''मैंने बृहस्पतिवार को मीडिया के सामने सब कुछ रखा था । मैंने इस संबंध में मीडियाकर्मियों के साथ कुछ सबूत भी साझा किए थे । अब ये बातें सार्वजनिक हैं... मुझे उम्मीद है कि बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) जो कथित नीट पेपर लीक मामले की जांच कर रही है, इस पहलू (आरोपी का राजद नेता के अधिकारियों के साथ संबंध) की भी जांच करेगी ।''

जीएसटी दर युक्तिसंगत बनाने वाले मंत्री समूह के संयोजक बने बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को जीएसटी दर युक्तिसंगत बनाने के लिए गठित मंत्री समूह (जीओएम) का संयोजक बनाया गया है। जीएसटी परिषद सचिवालय की वेबसाइट पर जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार पुनर्गठित मंत्री समूह के अन्य सदस्यों में उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, गोवा के परिवहन मंत्री मौविन गोडिन्हो, राजस्थान के चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवा मंत्री गजेंद्र सिंह शामिल हैं।

जीओएम में पश्चिम बंगाल की वित्त मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य, कर्नाटक के राजस्व मंत्री कृष्ण बायरे गौड़ा और केरल के वित्त मंत्री के एन बालगोपाल भी शामिल हैं।

सात सदस्यीय जीओएम को आवश्यक दर युक्तिसंगत बनाने और उल्टा शुल्क ढांचा यानी कच्चे माल के मुकाबले तैयार माल पर अधिक शुल्क में सुधार का सुझाव देना है। मंत्री समूह का मकसद दर संरचना को सरल बनाना, जीएसटी छूट सूची की समीक्षा करना और जीएसटी राजस्व बढ़ाना है।

यह दूसरी बार है, जब जीएसटी दर युक्तिसंगत बनाने वाली समिति का पुनर्गठन किया गया है।

जीओएम की स्थापना सितंबर 2021 में कर्नाटक के तत्कालीन मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई की अगुवाई में की गई थी। उनकी अध्यक्षता में पैनल ने जून 2022 में जीएसटी परिषद को एक अंतरिम रिपोर्ट सौंपी थी।

कल्याण चौबे जितनी जल्दी अध्यक्ष पद छोड़ेंगे, भारतीय फुटबॉल के लिए उतना अच्छा होगा : स्टिमक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के बर्खास्त फुटबॉल कोच इगोर स्टिमक ने शुक्रवार को अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) अध्यक्ष कल्याण चौबे पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि वह जितनी जल्दी पद छोड़ेंगे, देश में फुटबॉल के भविष्य के लिए उतना ही बेहतर होगा। उन्होंने कहा कि दुनिया का सबसे लोकप्रिय खेल उनकी देख-रेख में इस देश में बिल्कुल नहीं बढ़ रहा है।

फीफा विश्व कप क्वालीफायर के तीसरे दौर में टीम के पहुंचने में विफलता के बाद स्टिमक को सोमवार को मुख्य कोच के पद से बर्खास्त कर दिया गया था। इसके एक दिन बाद क्रोएशिया के इस पूर्व खिलाड़ी ने धमकी दी कि अगर 10 दिनों में उनके बकाये का भुगतान नहीं किया गया तो वह एआईएफएफ के खिलाफ फीफा पंचाट (ट्रिब्यूनल) में मुकदमा दायर करेगा।

स्टिमक ने शुक्रवार को ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भारतीय फुटबॉल 'कैद' है और उन्होंने खेल को प्रभावित करने वाली अधिकांश समस्याओं के लिए चौबे को दोषी ठहराया। उन्होंने यह भी कहा कि वह अपने कार्यकाल के दौरान 'झूठ और अधूरे वादों से तंग आ चुके थे'।

स्टिमक ने कहा, ''कल्याण चौबे जितनी जल्दी एआईएफएफ छोड़ेंगे, भारतीय फुटबॉल के लिए

उतना ही अच्छा होगा।'' उन्होंने कहा, ''कल्याण (चौबे) को केवल खुद के लोकप्रिय होने की परवाह है। आप कहते हैं कि वह एक राजनेता हैं, यहां तक कि कोलकाता में भी उन्हें कोई नहीं जानता। भारतीय फुटबॉल का नेतृत्व करने के लिए किसी मजबूत, प्रभावशाली और समर्थन वाले व्यक्ति की आवश्यकता है।'' स्टिमक ने कहा, ''कल्याण की प्राथमिकता भारतीय फुटबॉल की भलाई के बारे में सोचने के बजाय सोशल मीडिया पर क्लिक बढ़ाना और प्रसिद्ध खिलाड़ियों के साथ फोटो खिंचवाना है।'' उन्होंने कहा, ''फुटबॉल दुनिया में सबसे लोकप्रिय खेल है, लेकिन भारत एकमात्र ऐसी जगह है जहां फुटबॉल आगे नहीं बढ़ रहा है।'' उन्होंने एआईएफएफ तकनीकी समिति के प्रमुख और भारत के महान खिलाड़ी आईएम विजयन पर भी निशाना साधते हुए कहा कि वह इस पद के लिए उपयुक्त नहीं हैं। उन्होंने कहा, ''आईएम विजयन एक शानदार खिलाड़ी थे लेकिन वह राष्ट्रीय महासंघ की तकनीकी समिति का प्रमुख बनने लायक नहीं हैं।''

स्टिमक को मार्च 2019 में स्टीफन कांस्टेनटाइन के बाद टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया था।

इस महीने की शुरुआत में विश्व कप क्वालीफायर के दूसरे दौर के आखिरी मैच में कतर के खिलाफ भारत की हार के कुछ दिनों बाद उन्हें बर्खास्त कर दिया।

स्टिमक 1998 फीफा विश्व कप में कांस्य पदक जीतने वाली क्रोएशिया टीम का हिस्सा थे। उन्होंने कहा कि उन्हें अपने करियर में पहली बार कोच के पद से बर्खास्त किया गया है।

इस पूर्व खिलाड़ी ने कहा, ''मेरे करियर में, मुझे अब तक बर्खास्त नहीं किया गया था। यह पहला मौका है और यह गलत था। मैंने एआईएफएफ को अपने जवाब में इसका जिक्र किया है।''

ओलंपिक से पहले चोटों से मुक्त रहने के लिए प्रतिबद्ध मीराबाई चानू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ओलंपिक रजत पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू को लगता है कि पेरिस खेलों में उनकी सफलता उनकी चोटों से मुक्त रहने की क्षमता पर निर्भर करेगी क्योंकि वह इस महासमर की स्नैच स्पर्धा में 90 किग्रा का वजन उठाने का प्रयास करेंगी।

चानू 49 किग्रा वजन वर्ग में प्रतिस्पर्धा करती हैं। उन्होंने कहा कि सात अगस्त को उनकी स्पर्धा तक उनका ध्यान मासंपेशियों को चोटों मुक्त रखने और स्नैच में कम से कम 90 किग्रा का वजन उठाने के लिए तकनीक सुधारने पर लगा है।

चानू ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) मीडिया से कहा, ''मेरे लिए चोटों का प्रबंधन और तनाव मुक्त रहना महत्वपूर्ण होगा। मुझे वही चीजें करनी होंगी जिससे मुझे उबरने में मदद मिली। '' उन्होंने कहा, ''हम खिलाड़ियों के लिए चोटें और दर्द साथी होते हैं। ये कब परेशान करना शुरू कर दें, आपको नहीं पता। हमें इन पर विजय पानी होगी और पेरिस ओलंपिक से पता चलेगा कि मैं खेल के इन पहलुओं को कितना नियंत्रित करने में कामयाब हुई। ''

चानू का स्नैच में व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 88 किग्रा तथा क्लीन एवं जर्क में 119 किग्रा का है। वह चोटों से जूझती रही हैं और पीठ की समस्या तो हमेशा ही रहती है।

एशियाई खेलों में वह कूल्हे की चोट से परेशान थीं जिससे वह पांच महीने तक खेल से दूर रहीं।

यह स्टार भारोत्तोलक एशियाड पदक नहीं जीत सकी है। चानू ने कहा, ''एशियाई खेलों की चोट के बाद विश्व कप मेरी पहली प्रतियोगिता थी। मैं निश्चित रूप से और चोट लगने से डरी हुई थी। मैं पेरिस ओलंपिक का मौका खराब नहीं करना चाहती थी। इसलिये चोट का डर था। ''

सुविचार

दोस्त, किताब, रास्ता और सोच ये चारों जो जीवन में सही मिले तो, जिंदगी निखर जाती है, वरना बिखर जाती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

साइबर ठगी : कठोर दंड जरूरी

देश में वित्तीय धोखाधड़ी के मामलों का बढ़ना एक बड़ी चुनौती है। लोकल सर्किल्स एजेंसी के इस सर्वे के आंकड़े पर सवाल उठाए जा सकते हैं, जिसके अनुसार पिछले तीन वर्षों में 47 प्रतिशत भारतीयों ने एक या अधिक वित्तीय धोखाधड़ी का अनुभव किया, लेकिन इस बात से इन्कार नहीं किया जा सकता कि जिस तरह तकनीक का विस्तार हुआ है, धोखाधड़ी के मामले उतनी तेजी से बढ़े हैं। यही नहीं, ठगी की रकम में भी जोरदार बढ़ोतरी दिखाई दे रही है। हर जमाने में ठग और धोखेबाज रहे हैं। जब भारत में इंटरनेट और स्मार्टफोन का इतना विस्तार नहीं हुआ था, तब भी ठगी की घटनाएं होती थीं। उस दौरान ठगी की ज्यादातर राशि कुछ हजार रुपए तक होती थी। अब यह आंकड़ा लाखों-करोड़ों तक जा पहुंचा है। आश्चर्य होता है कि उच्च शिक्षित और बड़े पदों पर कार्यरत/सेवानिवृत्त लोग भी धोखेबाजों के झांसे में आ जाते हैं। पिछले दिनों एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर और उसके परिवार के सदस्यों से साइबर ठगों ने 5.14 करोड़ रुपए ठग लिए थे। एक ज्योतिषी, जिनका देश-विदेश में खासा नाम है, उन्हें किसी साइबर ठग ने डेढ़ लाख रुपए का चूना लगा दिया। ठगी का एक मामला तो सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में रहा था। एक वरिष्ठ बैंककर्मी, जिनके बारे में यह माना जा सकता है कि उन्हें साइबर सुरक्षा संबंधी जानकारी आम लोगों से ज्यादा होगी, के खाते से साइबर ठगों ने 90,000 रुपए निकाल लिए थे। बैंककर्मी को 'भोजन की एक थाली पर दूसरी थाली मुफ्त' पाने का लालच देकर मोबाइल फोन में एक ऐप डाउनलोड कराया गया, जिसके बाद साइबर ठग उनकी मेहनत की कमाई ले उड़े।

कुछ साइबर ठग तो इतने बेखौफ हो गए हैं कि जब उन्हें चेतावनी दी जाती है कि आपकी शिकायत पुलिस से करेंगे, तो उनका जवाब होता है- 'जरूर कीजिए, हमारा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता!' वे फख्र के साथ बताते हैं कि उन्होंने कई बार पुलिसकर्मियों या उनके परिवार के सदस्यों को इसी भांति शिकार बनाया है। हालत यह है कि अब कई लोग डिजिटल पेमेंट के बजाय नकद लेनदेन को प्राथमिकता देने लगे हैं। साइबर ठगों ने इतना उत्पात मचाया है कि सुरक्षा एजेंसियों के प्रयास उनके सामने नाकाफी लगते हैं। देश में मोबाइल सिम और बैंक खातों के जरिए सरकारी एजेंसियां यह पता लगा सकती हैं कि कहां से किसे फोन किया गया और कितनी राशि कहां से आई, किसे भेजी गई ... इसके बावजूद ठग अपना 'कपट धंधा' धड़ल्ले से चला रहे हैं। साइबर ठग, लोगों को लूटने के लिए नए-नए तरीके निकाल लेते हैं। जब तक पुलिस को उनके तरीकों का पता चलता है और वह लोगों को जागरूक करती है, ठग कोई दूसरा तरीका खोज लेते हैं। जब राम मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा समारोह हुआ तो क्यूआर कोड के नाम पर कई लोगों को ठगने की कोशिशें हुई थीं। हाल में राजग सरकार के मंत्रियों का शपथग्रहण हुआ तो कथित 'मुफ्त इंटरनेट योजना' के नाम पर वायरस युक्त लिंक सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुए थे। कभी मंदिरों में वीआईपी दर्शन के नाम पर, कभी महिलाओं को मुफ्त सोलर चूल्हा देने के नाम पर, तो कभी शेयर बाजार में मोटा मुनाफा देने के नाम पर ठगी का सिलसिला बदस्तूर जारी है। साइबर ठग सोशल मीडिया का जमकर इस्तेमाल कर रहे हैं। यह जानते हुए भी कि इससे एजेंसियों का उन तक पहुंचना आसान हो सकता है, वे डरते नहीं हैं। सेना और प्रशासन से जुड़े वरिष्ठ अधिकारी भी साइबर ठगी के शिकार हो चुके हैं। ऐसे में आम आदमी की कमाई कितनी सुरक्षित है? केंद्र सरकार को इस दिशा में बड़ा कदम उठाना चाहिए। देश ने समय-समय पर आतंकवाद पर बड़े प्रहार किए हैं, साइबर ठगों को भी उसी स्तर पर दंडित करने की जरूरत है।

ट्वीटर टॉक

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर मुझे योग और साधना की भूमि कश्मीर में आने का सौभाग्य मिला है। योग से हमें जो शक्ति मिलती है, श्रीनगर में हम उसे महसूस कर रहे हैं। दुनिया के कोने-कोने में योग कर रहे लोगों को कश्मीर की धरती से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की बधाई देता हूं।

-नरेन्द्र मोदी

आज अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर राजस्थान विश्वविद्यालय में आयोजित योगाभ्यास कार्यक्रम में शामिल हुआ। योग से हमें मानसिक मजबूती मिलती है वहीं शरीर स्वस्थ्य व निरोगी बनता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वस्थ व निरोगी भारत का सपना देखा है।

-राज्यवर्धनसिंह राठौड़

भारत के इस अमूल्य विरासत से आज पूरा विश्व लाभान्वित हो रहा है। आज, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर संचार मंत्रालय के परिसर में अपने सहयोगियों के साथ योगाभयास किया और विश्व को इसके अनगिनत लाभों का सन्देश दिया।

-ज्योतिरादित्य सिंधिया

प्रेरक प्रसंग

संवेदनशीलता के आयाम

एक दिन फ्रांसिस रेशमी वस्त्र की अपनी दुकान पर बैठे एक धनवान ग्राहक से बातचीत कर रहे थे, तभी उन्हें एक भिखारी ने आवाज दी, लेकिन उन्होंने बातचीत के चलते अनदेखा कर दिया। वह भिखारी वहां से चला गया। जब उनकी बातचीत खत्म हुई तो फ्रांसिस उस भिखारी की खोज-खबर करने लगे। उनका मन आत्मग्लानि से भर गया। इसके बाद वह उस भिखारी को खोजने के लिए कई गलियों में घूमते रहे। जब वह भिखारी फ्रांसिस को मिला तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उन्होंने कहा, 'मैं बातचीत में इतना उलझा हुआ था कि आपके लिए वक्त नहीं दे पाया।' और फिर फ्रांसिस ने कोट से सारा पैसा निकाल कर उस भिखारी को दे दिया। आगे चलकर यही फ्रांसिस, संत फ्रांसिस ऑफ असीसी के नाम से विख्यात हुए। इस महापुरुष ने मानव सेवा को साधना के अंग के रूप में प्रतिष्ठित करके संवेदनशीलता की उपयोगिता को नया आयाम दिया।

सामयिक

सनातन हिंदू संस्कृति विश्व शांति के लिए आवश्यक

प्रहलाद सबनानी

मोबाइल : 9987949940

यूरोप में हाल ही में सम्पन्न हुए चुनावों में दक्षिणपंथी कहे जाने वाले दलों की राजनैतिक ताकत बढ़ी है। हालांकि सत्ता अभी भी वामपंथी एवं मध्यमार्गीय नीतियों का पालन करने वाले दलों की ही बने रहने की सम्भावना है परंतु विशेष रूप से फ्रान्स एवं जर्मनी में इन दलों को भारी नुक्सान हुआ है। इटली की देशप्रेम से ओतप्रोत दल की मुखिया जोरजीया मेलोनी को अच्छी सफलता हासिल हुई है। कुल मिलाकर यूरोपीय देशों के नागरिकों में देशप्रेम का भाव धीमे धीमे लौट रहा है एवं वे अब अपने अपने देश में अवैध रूप से रह रहे प्रवासियों का विरोध करने लगे हैं। विशेष रूप से यूरोप के आस पास के मुस्लिम बहुल देशों से भारी संख्या में मुस्लिम नागरिक अवैध रूप से इन देशों में शरण लिए हुए हैं एवं अब वे इन देशों की कानून व्यवस्थ के लिए एक बहुत बड़ी समस्या बन गए हैं। जर्मनी एवं फ्रान्स ने मुस्लिम नागरिकों को मानवीय आधार पर अपने देश में बसाने में शिथिल नीतियों का पालन किया था और अब ये दोनों देश इस संदर्भ में विभिन्न समस्याओं का सबसे अधिक सामना कर रहे हैं।

आज जब कई मुस्लिम देश शिया एवं सुन्नी सम्प्रदाय के नाम पर आपस में ही लड़ रहे हैं तो उनका ईसाई पंथ को मानने वाले नागरिकों के साथ सामंजस्य किस प्रकार रह सकता है, अतः यूरोपीयन देशों के नागरिकों को अब अपने किए पर पश्तावा होने लगा है। ब्रिटेन में भी आज मुस्लिम समाज की आबादी बहुत बढ़ गई है एवं यहां का ईसाई समाज अपने आप को असुरक्षित महसूस करने लगा है क्योंकि मुस्लिम समाज द्वारा ईसाई समाज पर कई प्रकार के आक्रमण किया जाना आम बात हो गई है। ब्रिटेन के कई शहरों में तो मेयर आदि जैसे उच्च प्रशासनिक अधिकारियों के पदों पर भी मुस्लिम समाज के नागरिक ही चुने गए है अतः इन नगरों में सत्ता की चाबी ही अब मुस्लिम समाज के नागरिकों के हाथों में है, जिसे ईसाई समाज के नागरिक बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। इसी प्रकार, इजराईल (यहूदी समुदाय) एवं हम्मास (मुस्लिम समुदाय) के बीच युद्ध लम्बे समय से चल रहा है। ईरान (शिया समुदाय) - सऊदी अरब (सुन्नी समुदाय) के आपस में रिश्ते अच्छे नहीं है। पाकिस्तान में तो अहमदिया समुदाय एवं बोहरा समुदाय को मुस्लिम ही नहीं माना जाता है एवं इनको गैर मुस्लिम मानकर इन पर सुन्नी समुदाय द्वारा खुलकर अत्याचार किए जाते हैं। कुल मिलाकर, मुस्लिम समाज न केवल अन्य समाज के नागरिकों (यहूदी, ईसाई, हिंदू आदि) के साथ लड़ता आया है बल्कि इस्लाम के विभिन्न फिर्कों के बीच भी इनकी आपसी लड़ाई होती रही है।

इसके ठीक विपरीत, सनातन हिंदू संस्कृति का अनुपालन करते हुए कई भारतीय मूल के नागरिक भी अन्य देशों में रह रहे हैं एवं लम्बे समय से स्थानीय स्तर पर ईसाई समाज एवं अन्य धर्मों के अनुयायियों के साथ मिल जुलकर रहते आए हैं। इन देशों में भारतीय मूल के नागरिकों एवं स्थानीय स्तर पर अन्य धर्मों के अनुयायियों के बीच कभी भी बड़े स्तर पर आक्रोश उत्पन्न होता दिखाई नहीं दिया है, क्योंकि सनातन हिंदू संस्कृति में वसुधैव कुटुम्बकम एवं सर्वे भवंतु सुखिनः का भाव हिंदू नागरिकों में बचपन से ही भरा जाता है। इसी प्रकार के भाव का संचार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी पिछले 99 वर्षों से अपने स्वयंसेवकों में जगाता आया है। संघ चाहता है कि संसार में सद्गुणों का बोलबाला हो। 27 सितम्बर 1933 को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक पूजनीय डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार, शस्त्र पूजा समारोह में अपने उदबोधन में कहते हैं कि संघ एक हिंदू संगठन है। संसार के सभी धर्मों में हिंदू धर्म ही एकमात्र ऐसा धर्म है, जिसका मुख्य गुण सद्गुण है और जो 'आत्मवत भूतेषु' (सभी प्राणियों में अपने को देखना) की भावना से सभी जीवों के साथ प्रेमपूर्वक व्यवहार करना सिखाता है। यह धर्म संसार में व्याप्त हिंसा और अन्याय को स्वीकार नहीं करता। इसलिए स्वाभाविक है कि प्रत्येक हिंदू ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाना चाहता है। लेकिन केवल उपदेश देने से संसार का स्वभाव नहीं बदलेगा। जब संसार को लगेगा कि हिंदू समाज सुसंगठित और सशक्त हो गया है, तो हमारे प्रति जो अनादर का भाव सर्वत्र दिखाई देता है, वह समाप्त हो जाएगा और संसार हमारी बात सुनेगा। हिंदू धर्म अनादि काल से यही करता आ रहा है और ऐसे पवित्र धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए ही संघ की शुरुआत हुई है। आजकल हिंदू समाज बहुत अव्यवस्थित हो गया है। संघ का एकमात्र उद्देश्य हिंदू समाज को इस तरह संगठित करना है कि हिंदू, हिंदुस्तान में गर्वित हिंदू के रूप में खड़े हो सकें और दुनिया को यह विश्वास दिला सकें कि हिंदू कोई ऐसी जाति नहीं है जो मरणासन्न अवस्था में हो। संघ चाहता है कि संसार में सद्गुणों का बोलबाला हो। संघ का लक्ष्य मानव जाति में व्याप्त राक्षसी प्रवृत्ति को दूर करना और उसे मानवता सिखाना है। संघ का गठन किसी से घृणा करने या उसे नष्ट करने के लिए नहीं हुआ है।

हाल ही में जारी की गई प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की रिपोर्ट में धार्मिक अल्पसंख्यकों की हिस्सेदारी का देशभर में विश्लेषण' नामक विषय के माध्यम से बताया गया है कि बहुसंख्यक हिंदुओं की आबादी 1950 और 2015 के बीच 7.827 घट गई है। जबकि मुस्लिमों की आबादी में 43.157 की वृद्धि हुई है। मुस्लिमों की 1950 में 9.847 रही आबादी 14.097 पर पहुंच गई है। ईसाई धर्म के लोगों की आबादी की हिस्सेदारी 2.247 से बढ़कर 2.367 हुई है। ठीक ऐसे ही सिख समुदाय की आबादी 1.247 से बढ़कर 1.857 हो गई है। भारत में सद्गुणों से ओतप्रोत हिंदू नागरिकों की जनसंख्या यदि इस प्रकार घटती रही तो यह भारत के साथ पूरे विश्व के लिए भी अच्छा संकेत नहीं है क्योंकि अल्पसंख्यक के नाम पर मुस्लिम आबादी (जो कि अपने धर्म के प्रति एक कट्टर कौम मानी जाती है तथा अन्य धर्मों के लोगों के प्रति बिलकुल सहशुण नहीं है और वक्त आने पर अन्य समाज के नागरिकों का कत्लेआम करने में भी हिचकिचाते नहीं है) में बेतहाशा वृद्धि होना, पूरे विश्व के लिए एक अच्छा संकेत नहीं माना जा सकता है।

यह बात ध्यान रखने वाली है कि ईरान कभी आर्यों का अर्थात पारसियों का देश था। इराक, सऊदी अरब ,पश्चिम एशिया के समस्त मुस्लिम देश 1400 वर्ष पूर्व भारतीय संस्कृति और सभ्यता को मानने वाले देश थे। तलवार के बल पर 57 देश इस्लाम को स्वीकार कर चुके हैं इनमें से कोई भी ऐसा देश नहीं है जो 1400 वर्ष पहले से अर्थात सनातन की भांति सृष्टि के प्रारंभ से मुस्लिम देश था। 1398 ईसवी में ईरान भारत से अलग हुआ, 1739 में नादिरशाह ने अफगानिस्तान को अपने लिए एक अलग रियासत के रूप में प्राप्त कर लिया, बाद में 1876 में यह एक स्वतंत्र देश के रूप में अस्तित्व में आ गया,1937 में म्यांमार बर्मा अलग हुआ, 1911 में श्रीलंका अलग हुआ और 1904 में नेपाल अलग हुआ। सांप्रदायिक आधार पर देश विभाजन का यह सिलसिला यहीं नहीं रुका इसके पश्चात 1947 में पश्चिमी एवं पूर्वी पाकिस्तान देश बना। पूर्वी पाकिस्तान आज बांग्लादेश के रूप में मानचित्र पर उपलब्ध है।

आज एक बार पुनः भारत के भीतर जहां-जहां इस्लाम को मानने वाले लोगों की संख्या बहुलता को प्राप्त हो गई है, वहां वहां पर अनेक प्रकार की सामाजिक विसंगतियां, दमन और शोषण के नए-नए स्वरूप देखे जा रहे हैं। केरल, कश्मीर, पूर्वोत्तर भारत, बंगाल जहां जहां उनकी संख्या बहुलता में है, वहां -वहां दूसरे धर्म और जाति के लोग परेशान हैं। उपस्थित तथ्यों से सत्य को समझना चाहिए। इन आंकड़ों के आलोक में हमें समझना चाहिए कि हमारी बहू, बेटियां, महिलाओं की इज्जत कब तक सुरक्षित रह सकती है? निश्चित रूप से तब तक जब तक कि भारतवर्ष सनातनी हिंदुओं के हाथ में है। हमें इतिहास से शिक्षा लेनी चाहिए कि अब हम सांप्रदायिक आधार पर देश का पुनः विभाजन नहीं होने दें। नोवाखाली जैसे नरसंहारों की पुनरावृत्ति अब हमारे देश में नहीं होनी चाहिए। भारत-पाकिस्तान के विभाजन के समय जिस प्रकार लाखों करोड़ों लोगों को घर से बेघर होना पड़ा था, उस इतिहास को अब दोहराया नहीं जाना चाहिए। भारत में आंतरिक स्थिति ठीक नजर नहीं आती है परंतु विश्व के कई अन्य देशों में सनातन संस्कृति को तेजी से अपनाया जा रहा है, तभी तो कहा जा रहा है कि विश्व में आज कई समस्याओं का हल केवल हिंदू सनातन संस्कृति को अपना कर ही निकाला जा सकता है।

विशेष

आडम्बरों के घोर विरोधी थे संत कबीर

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9034304041.

मध्यकालीन युग के महान कवि संत कबीर दास जी ने अपना सारा जीवन देशाटन करने और साधु-संतों की संगति में व्यतीत कर दिया और अपने उन्हीं अनुभवों को उन्होंने मौखिक रूप से कविताओं अथवा दोहों के रूप में लोगों को सुनाया। अपनी बात लोगों को बड़ी आसानी से समझाने के लिए उन्होंने उपदेशात्मक शैली में लोक प्रचलित और सरल भाषा का प्रयोग किया। उनकी भाषा में ब्रज, अवधी, पंजाबी, राजस्थानी तथा अरबी फारसी के शब्दों का मेल था। अपनी कृति सबद, साखी, रमैनी में उन्होंने काफी सरल और लोक भाषा का प्रयोग किया है। गुरु के महत्व को सर्वोपरि बताते हुए समाज को उन्होंने ज्ञान का मार्ग दिखाया। मध्यकालीन युग के इन्हीं महान कवि संत कबीर दास जी की जयंती प्रतिवर्ष ज्येष्ठ माह की शुक्ल पक्ष पूर्णिमा के दिन मनाई जाती है, जो इस वर्ष 22 जून को मनाई जा रही है। माना जाता है कि इसी पूर्णिमा को विक्रमी संवत 1455 सन 1398 में उनका जन्म काशी के लहरतारा ताल में हुआ था। संत कबीर सदैव कड़वी और खरी बातें करने वाले ऐसे स्वच्छंद विचारक थे, जिन्होंने समाज में फैली कुरीतियों, कर्मकांड, अंधविश्वास, अंधश्रद्धा, आडम्बरों की कड़ी आलोचना करते हुए समाज में प्रेम, सद्भावना, एकता और भाईचारे की अलख जगाई। उन्होंने अपने दोहों और वाणी के माध्यम से धर्म के नाम पर आम जनता को दिग्भ्रमित करने वाले काजी, मौलवी, पंडितों, पुरोहितों को आईना दिखाने का भी साहसिक प्रयास किया।

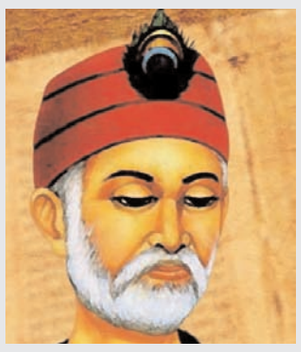

संत कबीर नित्य प्रति सत्संग किया करते थे और लोग दूरदराज से भी उनके प्रवचन सुनने आया करते थे। उनकी वाणी में ऐसी अद्भुत ताकत थी कि लोग उनका सत्संग सुनने अपने आप ही दूर-दूर से उनकी ओर खिंचे चले आते थे। एक दिन सत्संग खत्म होने के बाद भी एक व्यक्ति वहां बैठा रहा। कबीरदास ने उस व्यक्ति से इसका कारण पूछा तो उसने उत्तर दिया, महाराज! मुझे आपसे कुछ जानना है। दरअसल मैं एक गृहस्थ हूं और परिवार में सभी लोगों से अक्सर मेरा झगड़ा होता रहता है। मुझे समझ ही नहीं आता कि आखिर मेरे यहां गृह क्लेश क्यों होता है और वह किस प्रकार दूर हो सकता है?''

संत कबीर कुछ देर चुप रहे, फिर उन्होंने अपनी पत्नी को आवाज लगाते हुए कहा कि जरा लालटेन जलाकर लाओ! दोपहर का समय था और बाहर तेज धूप निकली हुई थी लेकिन उनकी पत्नी बिना कोई सवाल पूछे चुपचाप उनके कहेनुसार लालटेन जलाकर ले आई। वह आदमी भौंचक्का सा यह दृश्य देखते हुए विचार करने लगा कि आखिर संत ने इतनी दोपहर में भी लालटेन क्यों मंगाई है? कुछ मिनटों के बाद कबीरदास ने फिर पत्नी को आवाज लगाई और कहा कि जरा कुछ मीठा दे जाना। पत्नी आई और मीठे के बजाय थोड़ी नमकीन रखकर चली गई। वह व्यक्ति सोचने लगा कि ये संत और इनकी पत्नी शायद पागल हैं, तभी दोपहर के समय लालटेन जलाते हैं और मीठे के बदले यहां नमकीन मिलती है। यही सोचकर उसने चुपचाप वहां से खिसकने के इरादे से कहा कि महाराज! मैं अब चलता हूं। लेकिन कबीरदास ने उससे पूछा कि आपको अपनी समस्या का समाधान मिला या अभी भी कोई संशय शेष है?

उस व्यक्ति को कुछ समझ नहीं आया और वह आश्चर्य से उनकी ओर देखने लगा तो संत कबीर ने उसे समझाते हुए कहा कि जिस प्रकार मैंने दोपहर की रोशनी में भी लालटेन मंगवाई तो मेरी धर्मपत्नी मुझे ताना मारते हुए कह सकती थी कि मैं सठिया गया हूं, जो इस दोपहरी में भी लालटेन मंगवा रहा हूं लेकिन उसने सोचा कि अवश्य ही मुझे किसी काम के लिए लालटेन की जरूरत होगी। इसी प्रकार मेरे मीठा मंगवाने पर जब वह नमकीन देकर गई तो मैं भी उससे बहस कर सकता था लेकिन मैंने विचार किया कि संभवतः घर में कोई मीठी वस्तु नहीं होने पर ही वह नमकीन देकर गई है। आखिर गृहस्थ जीवन में ऐसे बातों को लेकर तकरार का क्या अर्थ? कबीरदास ने उसे गृहस्थ जीवन का मूल मंत्र समझाते हुए कहा कि अगर पति से कोई गलती हो जाए तो पत्नी संभाल ले और पत्नी से कोई गलती होने पर पति उसे नजरअंदाज कर दे। गृहस्थी में आपसी विश्वास से ही तालमेल बनता है और इससे विषम से विषम परिस्थिति भी स्वतः ही हल हो जाती है।

नजरिया

अखिलेश ने रोका मोदी के अश्वमेघ का घोड़ा

बाल मुकुन्द ओझा

यूपी में सपा सुप्रीमों अखिलेश यादव ने मोदी का अश्वमेघ का घोड़ा रोक कर उनकी विजयी यात्रा में पैबंद लगाने में सफलता हासिल कर ली। साथ ही लोकसभा चुनाव में यूपी से यह मिथक छीन लिया गया है की देश में वही पार्टी राज करेगी जिसने यूपी को फ़तेह कर लिया। यूपी में बेशक भाजपा का बंटाधार हुआ है मगर मध्य प्रदेश, उड़ीसा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, हिमाचल और उत्तराखंड में भाजपा को आशा के अनुरूप जीत मिली है। कहा तो यह भी जा रहा है यह प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की हार है। कांग्रेस के नेता राहुल गांधी कहते है सरकार को कोई बहुमत नहीं मिला है और यह कभी भी गिर सकती है। कोई कुछ भी कहे मगर सरकार तो मोदी की बन ही गई है और वह भी पूर्ण बहुमत के साथ। अब अगले पांच साल तक देश पर मोदी ही राज करेगा। छाती पीटने वाले पांच साल तक छाती पीटते रहेंगे इसका कोई इलाज नहीं है। अब आते है यूपी पर। यूपी की हार का स्वतंत्र विश्लेशण जरुरी है। मोदी योगी की पूरी ताकत के बाद भी भाजपा अपनी पुरानी स्थिति को बहाल नहीं कर पाई यह उनके लिए बेहद चिंतनीय है। यह सही है यूपी जांत - पांत से गुथा प्रदेश है। यहाँ जातियों के वर्चस्व से इंकार नहीं किया जा सकता। विपक्ष संविधान और आरक्षण को लेकर इस प्रदेश में भ्रम फैलाने में सफल रहा। जिसका परिणाम निकला कि मुस्लिम और यादवों के साथ दलित और पिछड़े वर्ग ने समाजवादी पार्टी का साथ दिया। राजभर और निषाद वोट भी भाजपा से छिटक गए। भाजपा यदि यूपी फ़तेह कर लेती तो देश में उनका डंका फिर बज उठता। मगर एक यूपी ने मध्य प्रदेश, उड़ीसा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, हिमाचल और उत्तराखंड की जीत को ढक दिया। कहते है देश के ताज का रास्ता यूपी होकर निकलता है मगर इस बार यूपी ने ताज का रास्ता रोक लिया और दूसरे प्रदेशों ने ताज पहन लिया। इस चुनाव में मुस्लिम मतदाताओं ने शत प्रतिशत भाजपा के विरोध में मतदान किया। यूपी ने इस बार कई रेकार्ड बनाये है साथ ही बड़बोलों को धराशाही किया है। केंद्रीय मंत्री समृति ईरानी बढ़ चढ़ कर दावे कर रही थी जिसे एक कार्यकर्त्ता ने धराशाही कर दिया। अमेठी का किला फिर कांग्रेस ने जीत लिया। मेनका गांधी भी चुनाव नहीं जीत सकी। ओम प्रकाश राजभर और संजय निषाद भी मुंह के बल गिर गए। भोजपुरी स्टार भी नहीं चल पाए। सपा ने कई दिग्गजों की लुटिया डूबो दी।

यूपी में दिग्गज हारे

चुनाव नतीजे बता रहे हैं कि 2014 से पूरी ताकत के साथ भाजपा को सत्ता में लाने वाले यूपी के मतदाताओं का आज पूरे दस साल बाद 2024 में भाजपा से मोहभंग हुआ है। पूरे चुनाव के दौरान चर्चा में रहे अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर को सहेजने वाली अयोध्या सीट से भाजपा प्रत्याशी लल्लू सिंह को सपा प्रत्याशी अवधेश प्रसाद ने चुनाव हरा दिया है।

यूपी में जिन केन्द्रीय मंत्रियों को हार का सामना करना पड़ा उसमे अमेठी से केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, चौंदौली से महेंद्र नाथ पांडे, जालौन से भानु प्रताप सिंह, मुजफ्फरनगर से संजीव बालियान, लखीमपुर से अजय मिश्र टेनी, मोहनलागंज से कौशल किशोर और फातेहपुर से साध्वी निरंजन जैसे बड़े नेता शामिल हैं। यूपी भाजपा की लोकसभा चुनाव में बड़ी हार के बाद आंतरिक रिपोर्ट तीन स्तरों पर तैयार की जा रही है। मंडल स्तर के बाद अब हारे हुए सभी प्रत्याशियो ने अपनी रिपोर्ट प्रदेश नेतृत्व को सौंप दी है। इसमें सारा दोष पार्टी के भीतर गुटबाजी पर मढ़ दिया है। हारे हुए प्रत्याशियो की रिपोर्ट में ज्यादातर भीतरघात की बात कही गई है। आश्चर्य है इस कथित भीतरघात को भाजपा आलाकमान समय रहते पकड़ नहीं पाया।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विशेष

बढ़ाना चाहते हैं एकाग्रता और याददाश्त, ये योगासन होंगे बड़े असरदार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। विद्यार्थियों के लिए अच्छी याददाश्त और एकाग्रता का होना बहुत जरूरी है। जो विद्यार्थी पढ़ाई के दौरान एकाग्र होकर विषय-वस्तु को समझते हैं, वे उसे काफी समय तक याद रख पाने में सक्षम होते हैं। आज अनेक कारणों से विद्यार्थी स्वयं का ध्यान एकाग्र रख पाने में असुविधा महसूस करते हैं। मोबाइल फोन, इंटरनेट जैसी सुविधाएं पढ़ाई में सहायक हों तो बेहतर है, लेकिन इनके अत्यधिक उपयोग से पढ़ाई में काफी नुकसान होने की आशंका होती है।

अगर ध्यान भटक रहा है तो जिस विषय-वस्तु को समझने की कोशिश करते हैं, वह याददाश्त का हिस्सा नहीं बन पाती। ऐसे में उन चीजों / आदतों से दूरी बना लेनी चाहिए, जो एकाग्रचित्त होने में बाधक बनती हैं। इसके साथ ही किसी अनुभवी योग प्रशिक्षक के दिशा-निर्देशों के अनुसार योगासनों का अभ्यास किया जा सकता है, जो लाभदायक होते हैं।

- शुरुआत में सबसे सरल होगा- पद्मासन का अभ्यास। इसे कमल मुद्रा भी कहा जाता है। इसका अभ्यास करने से मन शांत होता है। मानसिक उथल-पुथल दूर होती है। इस दौरान ॐ का जाप करने से एकाग्रता बढ़ती है।
- याददाश्त और एकाग्रता बढ़ाने के लिए सर्वांगासन भी बहुत प्रभावी सिद्ध होता है। याद रखें कि इसमें नियमितता होनी चाहिए। इससे मस्तिष्क की कार्य क्षमता में वृद्धि होती है। शरीर में नई ऊर्जा का संचार होता है, सुस्ती दूर होती है।
- पश्चिमोत्तानासन तनाव दूर करने में बहुत सहायक है। अगर तनाव के कारण पढ़ाई में मन नहीं लग रहा, एकाग्रता में दिक्कत आ रही है तो इससे मन शांत होगा। इस योगासन को याददाश्त के लिए विशेष लाभदायक माना जाता है। यह पेट संबंधी रोगों को भी दूर करता है।
- मस्तिष्क में रक्त संचार बढ़ाने, शरीर को ऊर्जावान रखने, निराशा को दूर करने और एकाग्रता बढ़ाने के लिए हलासन कर सकते हैं। नियमित हलासन के अभ्यास से याददाश्त अच्छी होती है। इससे पाचन अच्छा होता है। कब्ज संबंधी दिक्कतों से निजात मिलती है।
- इसके अलावा इष्टदेव के मंत्र का जाप, विभिन्न प्रकार के मनोवैज्ञानिक अभ्यास, संख्याओं के खेल, शब्दज्ञान पर आधारित पहेलियां हल करने से याददाश्त और एकाग्रता में सुधार होता है।

इन योगासनों को बना लें दिनचर्या का हिस्सा, ताजगी से भरी होगी दिन की शुरुआत

अपनी दिनचर्या में योगाभ्यास को शामिल करना आपको ऊर्जावान बना सकता है

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। आज कामकाज और व्यस्तता के कारण लोगों की दिनचर्या में बदलाव आ रहा है। कई लोग सुबह देर से उठने के बावजूद यह कहते मिल जाएंगे कि उन्हें अब भी नींद आ रही है, सुस्ती महसूस हो रही है। वे दिनभर थकान महसूस करते हैं और पढ़ाई या कामकाज में अपनी पूरी ऊर्जा नहीं लगा पाते। इस समस्या को दूर करने के लिए सबसे पहले तो उसकी असल वजह का पता लगाना होगा। समय पर सोना और समय पर उठना सुनिश्चित करना होगा। इसके अलावा भोजन में पौष्टिक तत्त्वों को शामिल करना होगा। अपनी दिनचर्या में योगाभ्यास को शामिल करना आपको ऊर्जावान बना सकता है। अगर व्यस्त दिनचर्या के बीच सुबह पंद्रह-बीस मिनट निकालकर ये योगासन करेंगे तो दिन की शुरुआत ताजगी से भरी होगी।

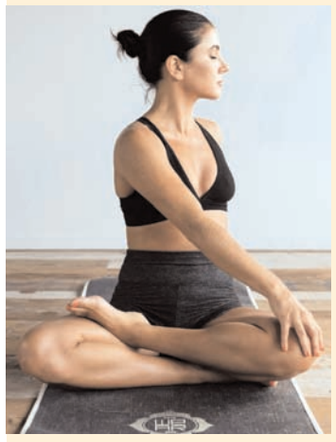

- शरीर में ऊर्जा का स्तर बढ़ाने के लिए सूर्य नमस्कार को अत्यंत महत्त्वपूर्ण माना जाता है। चूंकि सूर्य ऊर्जा का प्रतीक है। उसकी किरणों से धरती पर जीवन संभव होता है। सूर्य नमस्कार के नियमित अभ्यास से तन और मन में ऊर्जा का संचार होता है।
- भुजंगासन भी बहुत ऊर्जा देता है। इसे करने से शरीर में रक्त परिसंचरण तेज होता है। जिन लोगों को लंबे समय तक डेस्क जॉब के कारण कमर में दर्द रहता है, उन्हें इससे राहत मिलती है। वहीं, अपच, गैस, सुस्ती, समय पर भूख न लगने जैसी दिक्कतें भी दूर होती हैं।
- हर सुबह नौकासन करना शरीर को न केवल लचीला बनाता है, बल्कि पाचन तंत्र को बेहतर बनाकर शरीर को ताकत भी देता है। यह थकावट दूर करने में बहुत सहायक है। जो लोग इसका अभ्यास करते हैं, उन्हें संतुलन बनाने और मन को एकाग्र रखने में बहुत मदद मिलती है।
- कपालभाति करने से शरीर में ऊर्जा आती है। इससे श्वसन तंत्र मजबूत होता है और कई रोग दूर होते हैं। ध्यान रखें कि कपाल भाति का अभ्यास कुशल योग प्रशिक्षक के दिशा-निर्देशों के अनुसार ही करना चाहिए। आवश्यकता से अधिक कपालभाति अभ्यास नहीं करना चाहिए।

आसन एक, फायदे अनेक : पाचन शक्ति को बेहतर बनाता है वज्रासन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। जो लोग शारीरिक के बजाय मानसिक श्रम ज्यादा करते हैं, उन्हें पाचन तंत्र संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। अगर किसी व्यक्ति का पाचन अच्छा नहीं होता है तो उसे भविष्य में विभिन्न रोग घेर लेते हैं। आधुनिक विज्ञान भी यह मानता है कि जो लोग ज्यादातर समय बैठे रहकर काम करते हैं, उन्हें व्यायाम या कोई ऐसा काम जरूर करना चाहिए, जिससे शारीरिक श्रम करना पड़े। ऐसे कई बड़े नेता, वैज्ञानिक, कारोबारी आदि हुए हैं, जिन्होंने पाचन संबंधी दिक्कतें होने के बाद शारीरिक श्रम शुरू किया। इससे उनका पाचन तंत्र बेहतर हुआ।

शारीरिक श्रम का महत्त्व हमेशा रहेगा। उसकी जगह कोई नहीं ले सकता। योगशास्त्र में कुछ ऐसे योगासनों का भी उल्लेख मिलता है, जिनके अभ्यास से पाचन तंत्र को बेहतर बनाने में मदद मिलती है। इन्हीं आसनों में से एक है- वज्रासन। इसे भोजन के बाद भी किया जा सकता है। यह पाचन शक्ति को बेहतर बनाता है। इसका अभ्यास करने से असर भी तुरंत महसूस होने लगता है।

कैसे करें वज्रासन?

- सबसे पहले योगा मैट पर घुटनों के बल बैठें।
- अब पैरों की बड़ी अंगुलियों को मिलाएं।
- इस दौरान एड़ियों को अलग रखें।
- नितंबों को तलवों पर ऐसे टिकाएं, जिससे वे नितंबों के बाहरी हिस्से को छूएं।
- आपके हाथ घुटनों पर टिके रहने चाहिएं।
- अपनी हथेलियां नीचे की तरफ रखें। वहीं, पीठ और सिर सीधी स्थिति में होने चाहिएं।
- इस बात का ध्यान रखें कि शरीर में तनाव नहीं होना चाहिए। सहज स्थिति में बैठे रहें।
- सांस सामान्य ढंग से लेते रहें। यह आसन पांच मिनट तक किया जा सकता है।

वज्रासन से होते हैं ये लाभ

- पाचन तंत्र बेहतर होता है।
- बवासीर जैसी दिक्कतों में लाभदायक है।
- एसिडिटी, खट्टी डकारों और पेट में जलन जैसी स्थिति में राहत देता है।
- हर्निया जैसी समस्या होने की आशंका कम करता है।
- पेट की चर्बी कम करने में मददगार है।

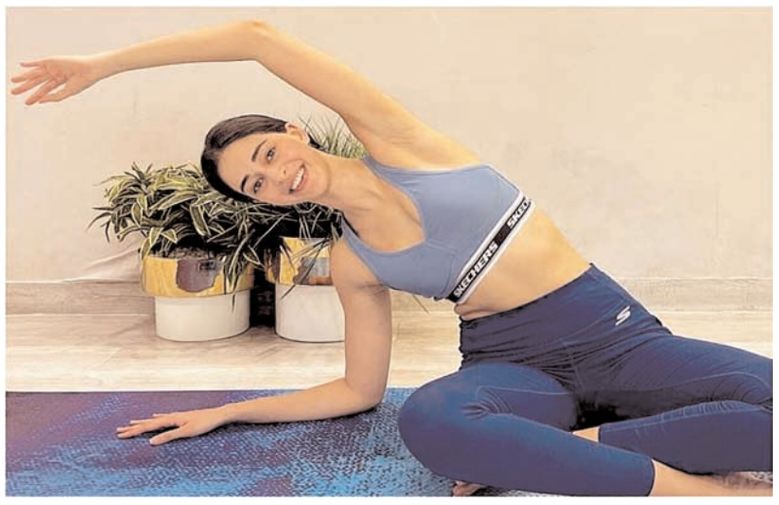

मध्यम वर्गीय भारतीय परिवारों की कहानी बयां करती है 'गुल्लक' : जमील खान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। 'गुल्लक' में मुख्य किरदार निभा रहे जमील खान को बचपन में पिता के झूठ बोलने पर हुई बहस का किस्सा आज भी याद है। जमील के पिता उनसे कहा करते थे कि 'तुम व्यापार में सफल नहीं हो पाओगे।' जमील को उस समय यह नहीं पता था कि उनके पिता के ये शब्द वाकई में बिल्कुल सही साबित होंगे और वह उत्तर प्रदेश के भदोही में अपने परिवार के स्थापित कारोबार को छोड़ मुंबई में एक अलग राह पर चल पड़ेंगे। 'सोनी लिव' की लोकप्रिय वेब सीरीज 'गुल्लक' में एक मध्यम वर्गीय परिवार के मुखिया की भूमिका निभा रहे संतोष मिश्रा आज घर-घर में जाना पहचाना नाम बन गये हैं। अभिनेता का कहना है कि यह भूमिका उनके और भारत में कई लोगों की परवरिश को दर्शाती है।

खान ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा, निम्न मध्यम वर्ग से आये मेरी उम्र के कई लोगों ने अपनी एक पहचान बनाई है और यह सीरीज उनकी पुरानी यादें ताजा कर देती है। अभिनेता ने कहा, यह हमारा चौथा सीजन है और यह पिछली कड़ी से जुड़ी हुई है। यह दर्शकों का प्यार ही है, जिस कारण वे इस सीरिज से जुड़ गए हैं। वेब सीरीज 'गुल्लक' उत्तर प्रदेश के एक गुमनाम शहर में रहने वाले मिश्रा परिवार के रोजाना के जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है।

उत्तर प्रदेश के भदोही को दक्षिण एशिया के सबसे बड़े कालीन उद्योग केंद्र के रूप में जाना जाता है। खान का जन्म भदोही के एक उच्च मध्यम वर्गीय व्यवसायी परिवार में हुआ था।

शहर के अन्य लोगों की तरह उनके पिता भी उसी व्यवसाय में थे और फारसी डिजाइन में माहिर थे। अभिनेता ने अपने पिता के साथ हुई बहस के एक किस्से को याद करते हुए कहा, हमारा कालीन का व्यवसाय था और हम कारखाने के ठीक ऊपर रहते थे। एक दिन एक मजदूर आया और मेरे पिता से कहा कि कोई साहब उन्हें बुला रहे हैं। पिता ने मजदूर से कहा कि उन्हें कहो कि वह घर पर नहीं हैं। जैसे ही वह व्यक्ति वहां से गया तो मैंने उनसे पूछा 'आपने झूठ क्यों बोला?'

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री हसीना दो दिवसीय यात्रा पर भारत पहुंचीं

नई दिल्ली/भाषा। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने शुक्रवार को भारत की दो दिवसीय राजकीय यात्रा शुरू की, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच पहले से ही घनिष्ठ संबंधों को और आगे बढ़ाना है। भारत में लोकसभा चुनाव के बाद नई सरकार के गठन के बाद यह किसी विदेशी नेता की पहली द्विपक्षीय राजकीय यात्रा है।

हसीना भारत के पड़ोसी और हिंद महासागर क्षेत्र के उन सात शीर्ष नेताओं में शामिल थीं, जो नौ जून को राष्ट्रपति भवन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय मंत्रिपरिषद के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए थे। मोदी और हसीना के बीच शनिवार को वार्ता निर्धारित है, जिस दौरान दोनों पक्षों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के लिए कई समझौते होने की उम्मीद है।

मोदी के साथ द्विपक्षीय विचार-विमर्श के अलावा, हसीना का राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से भी मुलाकात करने का कार्यक्रम है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर आज शाम हसीना से मुलाकात करेंगे। एक सूत्र ने बताया कि दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों के बीच बातचीत द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने पर केंद्रित रहने की उम्मीद है। पिछले कुछ वर्षों में भारत और बांग्लादेश के बीच समग्र रणनीतिक संबंध और प्रगाढ़ हुए हैं।

भारत की पड़ोसी पहले नीति के तहत बांग्लादेश एक महत्वपूर्ण साझेदार है और यह सहयोग सुरक्षा, व्यापार, वाणिज्य, ऊर्जा, संपर्क, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, रक्षा और समुद्री मामलों तक फैला हुआ है।

'कनेक्टिविटी' क्षेत्र की उपलब्धियों में त्रिपुरा में फेनी नदी पर मैत्री सेतु पुल का उद्घाटन और चिलाहाटी-हल्दीबाड़ी रेल लिंक की शुरुआत शामिल है। बांग्लादेश भारत का सबसे बड़ा विकास साझेदार है तथा भारत की ऋण सहायता के तहत लगभग एक-चौथाई प्रतिबद्धता बांग्लादेश के साथ की गई है।

संविधानविरोधी, देशविरोधी शक्तियों को रोकने के लिए हिन्दू राष्ट्र की नितांत आवश्यकता : रमेश शिंदे

सात दिवसीय हिन्दू राष्ट्र महोत्सव का आयोजन 24 से गोवा में

पणजी(गोवा)/दक्षिण भारत । ' हमारे देश की लोकतंत्र व्यवस्था अनुसार चुनकर आनेवाले जनप्रतिनिधि संसद में बैठकर देश की जनता के हितों की रक्षा करनेवाले, तथा जनता को सुरक्षा प्रदान करनेवाले कानून बनाते हैं, परंतु जिन्हें भारत का संविधान, संप्रभुता एवं कानून ही मान्य नहीं, ऐसे लोग संसद में जाने लगे, तो निश्चित ही भविष्य में इस संविधान को संकट निर्माण हो सकता है । इस लोकसभा चुनाव में पाकिस्तान के आईएसआई. से संबंध होने के आरोपित खालिस्तानी नेता अमृतपाल सिंह और कश्मीर में आतंकवादियों को धन की आपूर्ति करने के आरोप में बंदी बनाए गए रशीद इंजीनियर जैसे लोग देशविरोधी और अलगाववादी कारागृह से चुनाव जीतकर आए हैं। तो दूसरी ओर गोवा की जनता पर संविधान बलपूर्वक थोपा गया है ।' 'यह विचार गोवा में आयोजित पत्रकार वार्ता में हिन्दू जनजागृति समिति के राष्ट्रीय प्रवक्ता रमेश शिंदे ने व्यक्त किए।

उन्होंने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत के साथ पूरे विश्व के हिन्दुओं पर आक्रमण बढ गए हैं, जयपुर में मुसलमानबहुल क्षेत्रों से हजारों हिन्दुओं का पलायन हो रहा है । पश्चिम बंगाल में भी हिन्दुओं पर और मंदिरों पर आक्रमण बढ गए हैं । वैश्विक स्तर पर विविध देशों में बढते जानेवाले युद्ध और अस्थिरता की स्थिति को देखते हुए अनेक देश भारत की ओर आशा से देख रहे हैं; क्योंकि हिन्दू धर्म एकमात्र ऐसा धर्म है, जो विश्वबंधुत्व की और वसुधैव कुटुंबकम' की संकल्पना सामने रखकर पूरे समाज को जोड सकता है और उसे एकजुट रख सकता है । इसलिए हिन्दू राष्ट्रस्थापना के कार्य को गति देने के लिए प्रतिवर्ष समान इस बार भी बारहवें अखिल भारतीय हिन्दू राष्ट्रअधिवेशन अर्थात 'वैश्विक हिन्दू राष्ट्र महोत्सव' का आयोजन 24 से 30 जून तक फोंडा स्थित रामनाथ देवस्थान में किया गया है। इस मौके पर समिति के धर्मप्रचारक सद्गुरु नीलेश सिंगबा, सनातन संस्था के राष्ट्रीय प्रवक्ता चेतन राजहंस और गोमंतक मंदिर महासं' के गोवा प्रदेश सचिव जयेश थळी उपस्थित थे

। सनातन संस्था' के राष्ट्रीय प्रवक्ता चेतन राजहंस ने कहा, सनातन धर्म की हो रही आलोचना का उत्तर देने के लिए, इसके साथ ही सनातन धर्म का गौरव बढाने के लिए सनातन धर्मरक्षा अभियान चलाए गए । इस अधिवेशन से सनातन धर्म की वैचारिक सुरक्षा' पर चर्चा कर अगली दिशा निश्चित की जाएगी। इस समय गोमंतक मंदिर महासंघ' के गोवा राज्य सचिव जयेश थळी ने कहा, हिन्दू अधिवेशन में निर्धारित मंदिर संस्कृति की रक्षा' की नीति के अनुसार मंदिर महासंघ' की ओर से महाराष्ट्र, गोवा और कर्नाटक राज्य के 710 से अधिक मंदिरों में वस्त्रसंहिता (ड्रेस कोड) लागू किया गया है । इस अभियान को और बढाया जाएगा तथा मंदिर संस्कृति की रक्षा की दिशा भी निर्धारित की जाएगी ।

इस अवसर पर हिन्दू जनजागृति समिति के धर्म प्रचारक सद्गुरु नीलेश सिंगबाळ ने कहा कि हिन्दू राष्ट्र के मुद्दे पर न केवल भारत के स्तर पर, बल्कि वैश्विक स्तर पर चर्चा हो रही है । पिछले दस-बारह वर्षों में देश के माहौल को देखते हुए विभिन्न देश यह भविष्यवाणी कर रहे हैं कि भारत हिन्दू राष्ट्र की ओर बढ रहा है । अमेरिकी मीडिया ने रामजन्मभूमि में रामलला की प्राणप्रतिष्ठा को न्यू डिवाइन इंडिया' कहा है । नमस्ते करना', योग करना', संवाद' आदी भारत की विशेषत: का अनुसरण विदेश कर रहा है। अब हमारा वैश्विक हिंदू राष्ट्र महोत्सव इस वर्ष ध्येय है भारत को विश्वगुरु बनाना, इसलिए अखिल भारतीय हिन्दू राष्ट्र सम्मेलन वास्तव में 'वैश्विक हिन्दू राष्ट्र महोत्सव' बन गया है ।

मुझे पढ़ने का शौक नहीं था लेकिन राहा किताबें साथ लेकर सोती है : आलिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली।। अभिनेत्री आलिया भट्ट का कहना है कि वह अपनी बेटी राहा को रोजाना तीन तो कभी चार किताबें पढ़कर सुनाती हैं। आलिया ने कहा कि उनका बचपन इससे बहुत अलग था जब उनके माता-पिता और बहन उनपर किताबें थोप दिया करते थे लेकिन इसका कुछ फायदा हुआ नहीं। आलिया अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए कहती है कि वह बहुत ज्यादा पढ़ाकू' नहीं थी और अपना अधिकतर समय खिड़की से बाहर देखने और चीजों के बारे में सोचते-सोचते ही बिताया करती थीं। आलिया ने चित्र पुस्तक 'द एडवेंचर्स ऑफ एड-ए-मम्मा: एड फाइंड्स ए होम' के साथ एक लेखक

के रूप में अपने करियार की शुरुआत की है। यह पुस्तक उनकी 19 महीने की बेटी को समर्पित है। आलिया ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा, मैं राहा को हर दिन, हर दोपहर, हर रात एक किताब पढ़कर सुनाती हूं। हम एक-दो नहीं बल्कि तीन किताबें पढ़ते हैं। उसे अपनी किताबें बहुत पसंद हैं... वह अपने साथ अपनी किताबें लेकर सोती, वह अपनी किताबों से बहुत प्यार करती है।

आलिया मानती हैं कि यह उनके बचपन से बिल्कुल अलग है। अभिनेत्री ने कहा कि उनकी मां सोनी राजदान और बहन शाहीन भट्ट ने उन्हें किताबों की दुनिया से परिचित कराने की बहुत कोशिश की थी। उन्होंने कहा, मैं बचपन में पढ़ाकू नहीं थी। असल में मेरी बहन बहुत पढ़ाकू थी और मुझे याद है कि मेरी मां और बहन दिन भर मेरे सामने किताबें रखकर कहतीं थी कि आलिया, पढ़ों-पढ़ों। हाईवे, उड़ता पंजाब समेत कई अन्य फिल्मों में अपने दमदार अभिनय का लोहा मनवा चुकीं 31 वर्षीय आलिया ने बताया कि 2020 में उनके वस्त्र ब्रांड 'एड-ए- मम्मा' की शुरुआत से पहले ही उनके मन में चित्र पुस्तक लिखने का विचार आ चुका था।

'कल्कि 2898 एडी' भविष्य पर आधारित अद्भुत फिल्म है : अमिताभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई। प्रख्यात अभिनेता अमिताभ बच्चन ने बुधवार को कहा कि वह भविष्य पर आधारित फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' का हिस्सा बनकर सम्मानित महसूस कर रहे हैं। यह फिल्म दर्शकों को एक ऐसी दुनिया में ले जाने का वादा करती है, जिसे भारतीय सिनेमा में पहले कभी नहीं दिखाया गया। इसका निर्देशन 'महानति' फिल्म से प्रसिद्ध हुए नाग अश्विन ने किया है। अमिताभ बच्चन ने यहां फिल्म के प्रचार कार्यक्रम के दौरान संवाददाताओं से कहा, जब नाग (अश्विन) मेरे पास आए और इस फिल्म के बारे में मुझे बताया तो उनके जाने के बाद मैंने सोचा...यह बिल्कुल हैरान कर देने वाला है।

उन्होंने कहा, यह अविश्वसनीय है कि कोई व्यक्ति भविष्य में इतने आगे के समय पर आधारित किसी फिल्म की कल्पना कैसे कर सकता है। फिल्म निर्माताओं ने इस कार्यक्रम में फिल्म का नया ट्रेलर जारी किया। कार्यक्रम में मुख्य अभिनेता प्रभास, कमल हासन और दीपिका पादुकोण भी मौजूद थे। कार्यक्रम की मेजबानी अभिनेता-निर्माता राणा दग्गुबाती ने की। 'कल्कि 2898 एडी' पर काम करने के अनुभव के बारे में बात करते हुए बच्चन ने कहा कि यह एक अविस्मरणीय अनुभव रहा है। कल्कि 2898 एडी 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

जब कमल हासन ने खलनायक की भूमिका निभाने की अपनी इच्छा के बारे में बताया

'कल्कि 2898 एडी' में खलनायक की भूमिका निभा रहे अभिनेता कमल हासन ने बुधवार

को कहा कि उनकी पर्दे पर इस तरह का किरदार निभाने की काफी दिनों से इच्छा थी और वह खुश हैं कि उनको इस फिल्म में यह अवसर मिला। दुनिया के खत्म होने के समय पर आधारित इस फिल्म मे 'बिग बी' के नाम से चर्चित अभिनेता अमिताभ बच्चन 'अश्वत्थामा' की भूमिका में हैं और वहीं प्रभास विष्णु के अवतार भैरव की भूमिका निभा रहे हैं।

नाग अश्विन के द्वारा निर्देशित 'कल्कि 2898 एडी' में कमल हासन ने 'सुप्रीम यास्किन' की भूमिका निभाई है। इस फिल्म में दीपिका पादुकोण भी सुमति की भूमिका में हैं। कमल हासन ने फिल्म के प्रचार कार्यक्रम में संवाददाताओं से कहा, मैं मंच के पीछे अमित जी को बता रहा था कि मैं हमेशा एक बुरे आदमी की भूमिका निभाना चाहता था, क्योंकि खलनायक को सभी अच्छे काम करने को मिलते हैं। जहां हीरो रोमांटिक गाने गा रहे हैं और हिरोइन का इंतजार कर रहे हैं, खलनायक उनसे एक कदम आगे बढ़ सकता है और वह कर सकता है जो वह चाहता है।

हासन ने कहा, मैं सोच रहा था कि मैं खलनायक की भूमिका निभाने जा रहा हूं, इसलिए यह मजेदार होगा, लेकिन अश्विन चाहते थे कि यह किरदार थोड़ा अलग हो। मैं इस फिल्म में एक ऋषि की तरह हूं, बुरे विचारों वाले। फिल्म में अपने किरदार के गंजे होने के बारे में हासन ने कहा, लुक को निर्धारित करने से पहले काफी चर्चा हुई। हम चाहते थे कि लुक ऐसा हो जैसा मैंने पहले कभी नहीं किया हो या किसी और ने भी नहीं किया हो। मैंने सोचा की मैं ऐसा लुक करूंगा, जिसे लोग मुड़ मुड़ कर देखेंगे।

उन्होंने आगे कहा कि उनके किरदार के लिए सही लुक पाने के लिए टीम लॉस एंजिल्स गई थी। उन्होंने कहा, हम लॉस एंजिल्स गए, फाइनल लुक तक पहुंचने से पहले हम कई बार असफल हुए। मुझे उम्मीद है कि दर्शक उसी तरह प्रतिक्रिया देंगे जैसे हमने पहली नजर में की थी। फिल्म के प्रचार कार्यक्रम में अमिताभ बच्चन ने हासन को कल्कि 2898 एडी की पहली फिल्म टिकट भेंट की। इस दौरान कमल हासन ने उस वक्त को याद किया जब उन्होंने बच्चन की 1975 की ब्लॉकबस्टर फिल्म शोले को सिनेमाघरों में रिलीज होने के हफ्तों बाद देखा था।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | शनिवार | 22-06-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

हमें अपनी कमजोरियों से लड़ना, आत्मा में लगे हुए कर्मों से लड़ना अत्यंत कठिन है। हमने मोक्ष के प्रेमियों को अपने कर्मों से लड़ते हुए देखा है। सोचो, कैसा उन महापुरूषों का पुरुषार्थ रहा होगा। बाहर वालों से लड़ने के लिए हमारे पास ताकत बहुत है लेकिन हमारे अंदर की कमजोरियों से निपटने में हम कमजोर है। चूंकि कमजोरियों से लड़ने के साधन बहुत कम है। इसका जुगाड़ स्वयं को करना पड़ता है। उन्होंने कहा कभी-कभी बच्चों को समझाना आसान है लेकिन यदि बड़े लोग बच्चों जैसी हरकत करेंगे तो उन्हें कौन समझा सकता है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर द्वारका दास गोवर्धन दास वैष्णव महाविद्यालय में योगाभ्यास कर योग दिवस मनाया गया। यह कार्यक्रम सचिव डॉ. अशोक कुमार मूंदड़ा और प्राचार्य कैप्टन डॉ. एस. संतोष बाबू और एनसीसी अधिकारी डॉ. ए. जयराम और डॉ. पी. सुरेश के नेतृत्व में आयोजित किया गया। प्राचार्य कैप्टन डॉ. एस. संतोष बाबू ने छात्रों और कैडेटों को उत्साहपूर्वक प्रेरित करते हुए योग सत्र का उद्घाटन किया।

चेन्नई के वेपेरी स्थित गुरु श्री शांति विजय जैन विद्यालय के प्रांगण में 'स्वयं और समाज के लिए' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। मुख्य अतिथि विद्यालय के संवाददाता व सचिव डॉ. ज्ञान जैन रहे।

चेन्नई में एजी जैन हायर सेकेन्डरी स्कूल कीसहयोगी संस्था एजी जैन प्राइमरी एवं नर्सरी विद्यालय साहूकारपेट में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस संयुक्त रूप से हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विद्यालय के नौनिहालों ने विभिन्न योग मुद्रा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नरिंगराम, विद्यालय के कोरेस्पोंडेंट गौतमचंद गोठी, सचिव दलजीत सिंह ढढा उपस्थित थे।

चेन्नई में शुक्रवार को अणुविभा के तत्वावधान में अणुव्रत समिति, तेरापंथ एजूकेशन एण्ड मेडिकल ट्रस्ट, प्रेक्षा फाउंडेशन और संघीय संस्थाओं के तत्वावधान में में साध्वी डॉ गवेषणाश्री के सान्निध्य में तेरापंथ जैन विद्यालय, पट्टालम् में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर 'योग से बने निरोग' कार्यक्रम समायोजित किया गया। कार्यक्रम में 300 से अधिक बच्चों के साथ लगभग 400 अभिभावकों, अध्यापकों, श्रावक समाज उपस्थित रहा।

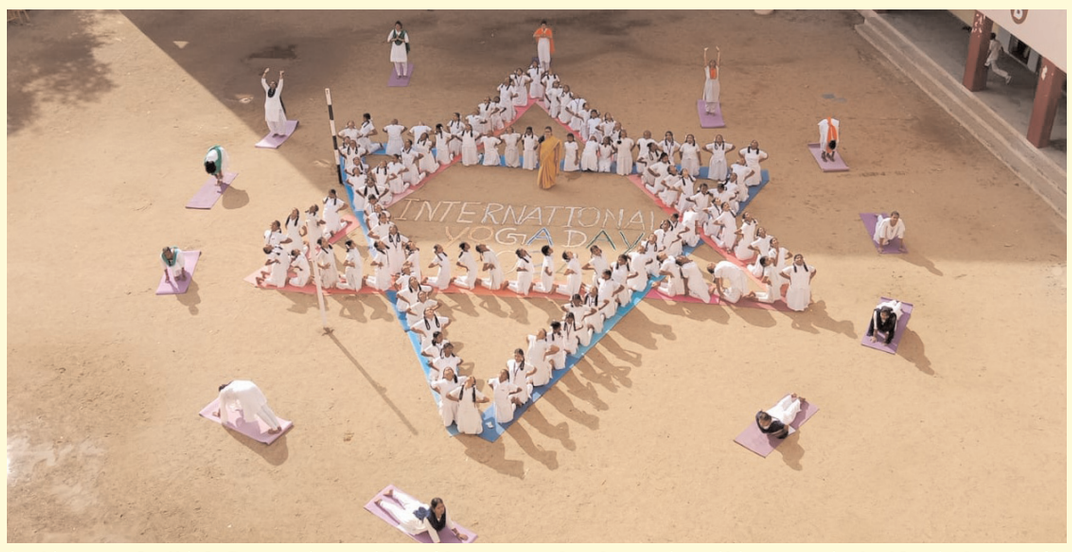

चेन्नई के एसआरपी कॉलोनी स्थित जयगोपाल गरोडिया मैट्रिक उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्रों ने शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय योगदिवस के मौके पर योग से एक विशेष आकृति का निर्माण किया।

तमिल और प्राकृत का आगमकालीन संबंध है : डॉ. दिलीप धींग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुमलै (तिरुवन्नामलै)। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली एवं आचार्य श्री अकलंक एजुकेशनल ट्रस्ट, अरिहंतगिरि (तिरुमलै) के संयुक्त तत्वावधान में 20 जून, गुरुवार को इक्कीस दिवसीय राष्ट्रीय प्राकृत शिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। तिरुवन्नामलै जिले में ऐतिहासिक जैन तीर्थ तिरुमलै के निकट अरिहंतगिरि में भट्टारक स्वस्तिश्री धवलकीर्ति स्वामी की निश्रा में हुए उद्घाटन समारोह में प्रणत धींग ने प्राकृत और निमा जैन ने संस्कृत में मंगलाचरण किया।

धवलकीर्ति ने बताया कि इस प्रकार की प्राकृत कार्यशाला तमिलनाडु में पहली बार हो रही है। आचार्य समंतभद्र की समाधिभूमि एवं इस पवित्र प्राचीन तीर्थ भूमि पर प्राकृत शिक्षण का विशेष महत्व है। भावी भट्टारक पुष्पकीर्ति ने कहा कि हम प्रतिदिन हमारी आराधना में प्राकृत भाषा का प्रयोग करते हैं।

समारोह के सारस्वत अतिथि अंतरराष्ट्रीय प्राकृत केन्द्र के पूर्व निदेशक डॉ. दिलीप धींग ने कहा कि प्राकृत का संबंध सभी भारतीय भाषाओं के साथ है। तमिल और द्राविड़ी भाषाओं के साथ भी प्राकृत का आगमकालीन संबंध है। प्राकृत भाषा के जैन आगम समवायांग सूत्र, प्रज्ञापना सूत्र आदि इसके साक्षी हैं, जिनमें प्राकृत के 18 प्रकारों में तमिल का उल्लेख भी है। डॉ. धींग ने कहा कि प्राकृत शिक्षण से भारतीय भाषाओं की अंतर्बद्धता को जाना जा सकता है। भाषाई सौहार्द बढ़ाने में प्राकृत का ऐतिहासिक योगदान है। वर्तमान में भी भाषाओं को जोड़ने में प्राकृत एक सशक्त माध्यम बन सकती है। इस दिशा में अनुसंधान कार्य आगे बढ़ाना चाहिये।

कन्नड़ विश्वविद्यालय, हंपी के प्रो. एसपी पद्मप्रसाद ने कहा कि प्राकृत का कन्नड़ भाषा से भी गहरा संबंध है। किसी समय कर्नाटक में भी प्राकृत जनभाषा रही थी। विश्व भारती विश्वविद्यालय, शांतिनिकेतन के प्रो. जगतराम भट्टाचार्य ने प्राकृत अध्यापन के अनुभव बताए। डॉ. दीनानाथ शर्मा ने कहा कि वैदिक काल में भी प्राकृत भाषा विद्यमान थी। प्राकृत की अनेक प्रवृत्तियां वेदों में मिलती हैं। संस्कृत विश्वविद्यालय के जयपुर परिसर में जैन दर्शन विभाग के डॉ. कमलेशकुमार जैन ने आचार्य श्री अकलंक एजुकेशनल ट्रस्ट, अरिहंतगिरि के प्रति विश्वविद्यालय की ओर से आभार जताया।

प्राकृत विकास अधिकारी डॉ. धर्मेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि तीन सप्ताह तक चलने वाले इस ज्ञानयज्ञ में 12 राज्यों से विद्यार्थी आए हैं। उन्हें सात राज्यों के नौ प्राध्यापक प्राकृत सिखा रहे हैं। एम. दीपिका ने संस्कृत भाषा के तत्वार्थ सूत्र पर आधारित नृत्य किया। प्रणत धींग ने डॉ. दिलीप धींग की हिंदी कविता सुनाई। अनुसंधान सहायक डॉ. सतेन्द्रकुमार जैन ने संचालन किया। डॉ. प्रभात कुमार दास ने संस्कृत भाषा में धन्यवाद ज्ञापित किया।

अग्रवाल विद्यालय एंड जूनियर कॉलेज ने मनाया अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। योग साधना के लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाने एवं मानव कल्याण और समग्र स्वास्थ्य जीवन जीने के उद्देश्य से शुक्रवार को अग्रवाल विद्यालय एंड जूनियर कॉलेज के प्रांगण में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस बड़े ही उत्साह के साथ मनाया गया जिसका विषय था महिला सशक्तिकरण। इस समारोह में योग प्रशिक्षिका एवम् प्राणिक उपचारक नीता चाचौरिया मुख्यअतिथि के रूप में उपस्थित थीं।

विद्यालय की प्रधानाचार्या सी. विजयलक्ष्मी ने सभी का स्वागत किया। संयुक्त पत्राचारक शालिनी अग्रवाल ने शॉल ओढाकर एवं सचिव तथा पत्राचारक मुरारीलाल सौंथालिया ने अतिथि को पुष्प गुच्छ भेंट किया। विद्यालय के छात्र – छात्राओं ने बड़े ही उत्साह से भाग लिया एवं विभिन्न प्रकार के योग का प्रदर्शन किया।

मोह और ममता जीवन में अशांति का मुख्य कारण : सुधांशु महाराज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां जयनगर में स्थित पूर्णिमा कन्वेंशन सेंटर में शुक्रवार को आध्यात्मिक सन्त एवं अन्तर राष्ट्रीय संस्था विश्व जागृति मिशन के संस्थापक श्री सुधांशु जी महाराज द्वारा श्रीमद्भगवतगीता में भगवान श्रीकृष्ण के अमृत वचनों से भक्तों को संबोधित करेंगे। व्यास मंच पर पूज्यश्री के आगमन उपरान्त मनोहर उतमानी, ऋषभ उतमानी एवं के.के. सिंघल ने स्वागत किया। इस मौके पर व्यास पीठ का पूजन श्रीमती एवं सुभाष गोयल तथा अग्रसेन अस्पताल के अध्यक्ष राजकुमार कंदोई ने किया।

महाराजश्री ने कहा कि हमारा निर्णय हमें शुभ या अशुभ कर्म फल से जोड़ता है, जिससे जीवन में सुख और दुःख की अनुभूति होती है। परमात्मा से जुड़ने से हमारी बुद्धि सुबुद्धि बनती है, जिससे हमें सही निर्णय लेने की शक्ति मिलती है। जिससे सौभाग्य का उदय होता है। हम सभी की यात्रा पूर्णता की यात्रा है। संसार में पूर्ण, सर्वज्ञ और सर्वसमर्थ है परमात्मा। मनुष्य अल्पज्ञ है और उसके ज्ञान की सीमा है। व्यक्ति की तलाश खुशी, चैन, संतुष्टि, शक्ति, निर्भयता, शान्ति एवं सुख की है। आनंद का स्रोत संसार में परमात्मा ही है और वह सच्चिदानंद स्वरूप है। सदगुरु हमें परमात्मा से जुड़ने की विधि देते हैं। गुरु पूर्णिमा सदगुरु से ब्रह्मा, विष्णु, महेश तीनों देवताओं की कृपा पाने का अवसर है। नवीन संकल्प के साथ अपने जीवन को शुभ के सन्मार्ग पर चलाने के लिए संकल्पित होने का दिन है। गुरु पूर्णिमा में सदगुरु से हम जीवन में शांति, निश्चिंतता, निर्भरता, भौतिक उन्नति के साथ आध्यात्मिक उन्नति का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।

अन्तरिक्ष पार्श्वनाथ तीर्थ में जिनालय, दादावाड़ी, धर्मशाला संकुल हेतु भूमि पूजन सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। खरतरगच्छाधिपति आचार्यश्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी की निश्रा में जिनदत्त कुशलसूरी खरतरगच्छ पेढ़ी द्वारा अन्तरिक्ष पार्श्वनाथ तीर्थ में बनने जा रहे जिनालय, दादावाड़ी और भोजनशाला संकुल हेतु पन्यास विमलहंसविजयजी व परमहंसविजयजी की निश्रा में भूमि पूजन सम्पन्न हुआ। भूमि पूजन के लाभार्थी धमतरी जैन मित्र मंडल के विजय गुलेच्छा, नीलेश पारख, किशोर गोलछा द्वारा विधिवत पूजन किया गया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.

Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.